CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-201
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर,शनिवार 26 अक्टूबर 2024

आज का विचार

कल को आसान बनाने के लिए आज आपको कड़ी मेहनत करनी ही पड़ेगी

शिवसेना उद्धव गुट के 15 कैंडिडेट्स की दूसरी सूची जारी, अब तक 80 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शिवसेना के उद्धव गुट ने अपनी दूसरी सूची जारी कर दी है। इस सूची में 15 नए उम्मीदवारों के नाम हैं। इससे पहले 23 अक्टूबर को पहली सूची में 65 नाम जारी किए गए थे। अब तक कुल 80 उम्मीदवारों का एलान हो चुका है। यह चुनाव शिवसेना उद्धव गुट के लिए बड़ी चुनौती है, खासकर पिछले साल हुई बगावत के बाद।

संजय राउत का बयान - 100 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव- उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने कहा है कि उनकी पार्टी 100 सीटों पर चुनाव लड़ने का इरादा रखती है। उन्होंने यह बयान 24 अक्टूबर को दिया था, जब गठबंधन के तहत सीटों का बंटवारा किया गया था। हालांकि, एमवीए गठबंधन के अनुसार शिवसेना उद्धव गुट, एनसीपी शरद पवार गुट और कांग्रेस को 85-85

सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि शिवसेना उद्धव गुट अपनी सीटों पर किस प्रकार मजबूती से खड़ा होता है।

दहिसर सीट पर असमंजस, किसे मिलेगा टिकट? मुंबई की दहिसर विधानसभा सीट को उद्धव गुट ने अपनी हिस्सेदारी में रखा है, लेकिन यहां प्रत्याशी के नाम पर संशय बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, उद्धव ठाकरे चाहते हैं कि पूर्व पार्षद अभिषेक घोसालकर की पत्नी तेजस्विनी घोसालकर को टिकट दिया जाए। हालांकि, अभिषेक के पिता, पूर्व विधायक विनोद घोसालकर भी इस सीट से टिकट की मांग कर रहे हैं। अभिषेक घोसालकर की हाल ही में एक फेसबुक लाइव के दौरान हत्या कर दी गई थी। इस घटना ने दहिसर सीट को संवेदनशील बना दिया है।

पहली सूची में उद्धव के करीबी नाम 23 अक्टूबर को जारी की गई पहली सूची में उद्धव गुट ने 65 नामों की घोषणा की थी। इसमें उद्धव ठाकरे के पुत्र आदित्य ठाकरे को वरली सीट से प्रत्याशी बनाया गया है। इसके साथ ही केदार दिघे को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ कोपरी पचपखाड़ी से मैदान में उतारा गया है। इस सूची के बाद से ही उद्धव गुट ने अपनी रणनीति को और धार देना शुरू कर दिया है।

महायुति सरकार के खिलाफ चुनावी माहौल महाराष्ट्र में वर्तमान में महायुति सरकार का शासन है, जिसमें शिवसेना, बीजेपी और एनसीपी (अजित पवार गुट) शामिल हैं। महाविकास अघाड़ी के साथ उद्धव गुट इस बार महायूति के खिलाफ मजबूत चुनौती पेश कर रहा है। पिछले चुनावी समीकरणों को देखते हुए यह माना जा रहा है कि एमवीए को इस बार जनता का समर्थन मिल सकता है। इस बार का चुनाव कई समीकरणों और अलग-अलग गठबंधनों के बीच में होने जा रहा है।

2019 चुनाव का समीकरण और इस बार का अनुमान

2019 में बीजेपी और शिवसेना के बीच गठबंधन था, जिसमें बीजेपी ने 105 सीटें और शिवसेना ने 56 सीटें जीती थीं। लेकिन इस बार छह बड़े दलों के बीच मुकाबला हो रहा है। ऐसे में वोटों का बंटवारा और सरकार बनाने की चुनौती बड़ी होने वाली है। नवंबर 20 को महाराष्ट्र में एक ही चरण में चुनाव होंगे और 23 नवंबर को नतीजे घोषित होंगे। इस बार के चुनाव में सभी दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है

पिता ने 50 हजार की सुपारी देकर बेटे को मरवाया

आरोपी बोला- जुए और नशे की लत में सब बर्बाद कर दिया था

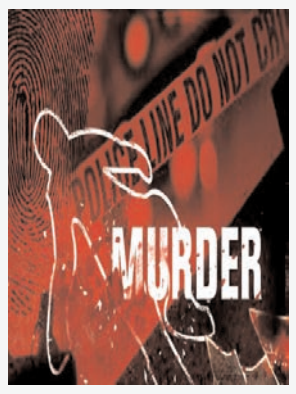

ग्वालियर। ग्वालियर में 21 अक्टूबर को हुई इरफान की हत्या मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इरफान के पिता हसन और हासिन खान ने ही सुपारी देकर उसे मरवाया था। हिस्ट्रीशीटर इरफान को जुआ, स्मैक और गांजे की लत थी। इसके चलते वो परिवार को परेशान करता था। मामले में 20 से ज्यादा संदेहियों से पूछताछ करने के बाद पुलिस को कुछ क्लू मिले थे। एक से दूसरी कड़ी को छोड़कर पुलिस हसन तक पहुंची। जब उसको हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह टूट गया। उसने कहा कि बेटे ने जुए और नशे की लत में सब बर्बाद कर दिया था। ग्वालियर के पुरानी छावनी थाना निवासी इरफान पुत्र हसन खान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।इरफान का शव बदनापुरा-अकबरपुर की पहाड़ी पर मिला था।वह सोमवार रात को बदनापुरा के पास ही एक शादी में शामिल होने के लिए निकला था। कार्यक्रम में उसके परिवार के कुछ और सदस्य भी थे।इरफान को रात 12 बजे तक शादी में देखा गया। इसके बाद उसका कुछ पता नहीं चल रहा था। मंगलवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे कुछ लोगों ने हसन को सूचना दी कि उनका बेटा इरफान लहूलुहान हालत में पहाड़ी पर पड़ा है। हसन परिवार के दूसरे सदस्यों को लेकर वहां पहुंचे तो इरफान दम तोड़ चुका था। उसके सिर और सीने में गोली लगने के निशान थे। खून जम गया था। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद हत्या का मामला दर्ज कर लिया था।

कर्नाटक में 101 लोगों को उम्रकैद की सजा

10 साल पुराने मामले पर आया फैसला

कोप्पलस। कर्नाटक स्थित कोप्पल जिले की एक अदालत ने वंचित समुदाय की बस्ती में आग लगाने में 101 लोगों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपियों को हाल ही में दोषी ठहराया गया था और गुरुवार को अदालत ने सजा सुनाई।

जाति आधारित हिंसा से जुड़ा यह मामला 28 अगस्त 2014 को गंगावती तालुका के मारकुंबी गांव का है। आरोपियों ने वंचित समुदाय के लोगों के घरों में आग लगा दी थी। वंचितों को नाई की दुकान और ढाबों में प्रवेश से मना करने को लेकर झड़प शुरू हुई थी। इस घटना के बाद राज्य के कई हिस्सों में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। अभियोजन पक्ष के अनुसार, इस मामले में 117 लोगों को आरोपी बनाया गया था। इनमें से 16 लोगों की सुनवाई के दौरान मौत हो गई।

यह विडियो भी देखें

दया दिखाना न्याय का मजाक बनाना होगा-कोर्ट लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार मामले पर फैसला सुनाते हुए विशेष न्यायाधीश सी. चंद्रशेखर ने कहा, ह्यइस तरह के मामले में दया दिखाना न्याय का मखौल उड़ाना होगा। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि घायल पीड़ित, पुरुष और महिला, अनुसूचित जाति से हैं और आरोपियों ने महिलाओं की गरिमा का हनन किया है, पीड़ितों पर लाठी, पत्थरों और ईंट के टुकड़ों से हमला किया है, जिससे उन्हें चोटें आई हैं।

ह्यअधिक से अधिक दी जानी चाहिए सजा

उन्होंने कहा कि उनका मानना ??है कि आरोपियों को निर्धारित न्यूनतम सजा अवधि से अधिक अवधि की सजा दी जानी चाहिए। न्यायालय ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(2)(5) के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

कमजोर लोगों से अधिक मजबूत नहीं होता राष्ट्र- कोर्ट अदालत ने अपने आदेश की शुरूआत में अफ्रीकी-अमेरिकी गायिका मैरियन एंडरसन को कोट करते हुए कहा, ह्य कोई भी राष्ट्र कितना भी बड़ा क्यों न हो, वह अपने सबसे कमजोर लोगों से अधिक मजबूत नहीं होता है और जब तक आप किसी व्यक्ति को नीचे रखते हैं, तब तक आपका कुछ हिस्सा उसे नीचे रखने के लिए नीचे रहेगा। इसलिए इसका मतलब है कि आप उतनी ऊंचाई नहीं छू सकते, जितनी आप अन्यथा छू सकते हैं।

उज्जैन में भीषण सड़क हादसा, जियारत कर लौट रहा परिवार, गेट काटकर निकालना पड़े शव

टैंकर की टक्कर से कार के उड़े परखच्चे, 4 की मौत

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि इनोवा गाड़ी में सवार परिवार अजमेर से जियारत कर लौट रहा था।

हादसा उज्जैन के जावरा-नागदा रोड पर बेड़ावन्या गांव के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक भारत पेट्रोलियम के टैंकर और इनोवा कार में भिड़ंत हो गई। कार में फंसे शवों को कटर से गेट काटकर निकलना पड़ा। कार में सवार परिवार अजमेर से जियारत कर लौट रहा था। यह हादसा उज्जैन के जावरा-नागदा रोड पर बेड़ावन्या गांव के पास हुआ। हादसा इतना भीषण था की इनोवा कार के परखच्चे उड़ गए। इस दौरान ड्राइविंग सीट पर फंसे शव को निकालने के लिए कटर मशीन से कार के दरवाजों को काटा गया। सभी मृतक इंदौर के रहने वाले थे। कार में 8 लोग अजमेर से जियारत कर लौट रहे थे। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहीं, मृतकों का मार्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में जांच पड़ताल जारी है।

हादसे में एक व्यक्ति सुरक्षित बच पाया। उसे मामूली चोट आई है। हादसा शुक्रवार तड़के करीब 7:30 बजे हुई। कार में सवार एक युवक ऐजाज को कोई चोट नहीं लगी है। ऐजाज से मिली जानकारी के अनुसार 8 लोग इंदौर से 23 अक्टूबर को अजमेर के लिए निकले थे। शुक्रवार सुबह लौटते वक्त एक पेट्रोल टैंकर और एक ट्रक हमारी गाड़ी के पीछे थे। कुछ देर बाद टैंकर ने हमारी कार को ओवरटेक किया। इसी दौरान गाड़ी टैंकर से जा भिड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने कार में फंसी सवारी को बाहर निकाला गया। घायलों और मृतकों को कार की कटिंग करके निकाला गया। कार सवार अजमेर शरीफ से लौट रहे थे

महामंडलेश्वर ने देश छोड़ने को कहा तो भड़कीं आईएएस मार्टिन

मंदिरों में लाउडस्पीकर का मुद्दा - बोलीं- किसी के कहने या धमकाने से हमारे अधिकार कम नहीं हो जाते

भोपाल। मंदिरों में लगे लाउडस्पीकरों से होने वाले ध्वनि प्रदूषण के मुद्दे को उठाकर हिंदू संगठनों के निशाने पर आईं आईएएस शैलबाला मार्टिन महामंडलेश्वर के देश छोड़ने वाले बयान पर भड़क गईं। उन्होंने गुरुवार रात एक और ट्वीट करते हुए अपने पिछले ट्वीट को करने की वजह और उसके बाद हुए घटनाक्रम के बारे में बताया।

मार्टिन ने बताया कि उन्होंने किस तरह एक पत्रकार के ट्वीट का जवाब देते हुए मंदिरों में लगे लाउड स्पीकर से होने वाले ध्वनि प्रदूषण की बात लिखी थी। उन्होंने बताया कि पिछली पोस्ट के बाद कई लोगों ने आपत्ति जताते हुए उनका विरोध किया, इस दौरान कई लोगों ने उन्हें धमकियां भी दीं। उन्होंने कहा, जब तक ट्रोल्स ने धमकियां दीं तब तक मुझे जवाब देने की जरूरत महसूस नहीं हुई, लेकिन जब महामंडलेश्वर जैसे विद्वान ने मुझे देश छोड़ने की धमकी दी तो लगा कि अब जवाब देना होगा। मार्टिन ने कहा कि उन्होंने मेरी शारीरिक और मानसिक बनावट पर भी टिप्पणी की।

उन्होंने कहा कि चाहे किसी भी धर्म के धर्मस्थल हों एक सीमा से अधिक शोर किसी के भी हित में नहीं है। उन्होंने बताया कि उनके विचार किसी भी तौर पर किसी धर्म विशेष के प्रति आग्रह,दुराग्रह से प्रेरित नहीं थे और वे सर्वधर्म समभाव में विश्वास करती हैं। उन्होंने बताया कि वे ईसाई धर्म में पैदा हुई हैं और उस धर्म के मठाधीशों द्वारा की जा रहीं अनियमितताओं के खिलाफ भी वे सोशल मीडिया पर सवाल उठाती रही हैं। उन्होंने कहा कि लोगों ने मेरे ट्वीट के मूल भाव को ना समझते हुए टिप्पणी करना शुरू कर दिया। मार्टिन ने बताया कि अपने संवैधानिक अधिकारों का उपयोग करते हुए ही उन्होंने ध्वनि प्रदूषण की ओर ध्यान आकर्षित किया था। अपनी पोस्ट में मार्टिन ने बताया कि ध्वनि प्रदूषण न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी घातक है, इसीलिए देश में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड बनाए गए हैं। इसी वजह से माननीय सर्वोच्च न्यायालय भी समय-समय पर ध्वनि प्रदूषण के बारे में दिशा निर्देश जारी करता रहा है।

मैं इस देश की जन्मजात नागरिक हूं

पोस्ट के अंत में उन्होंने देश छोड़कर जाने की धमकी का जवाब देते हुए अपने पति और परिवार का जिक्र करते हुए कहा कि अच्छी तरह जान लीजिए कि यह देश उसी तरह मेरा भी है जैसा आप सबका। मैं इस देश की जन्मजात नागरिक हूं और संविधान ने मुझे समस्त नागरिक अधिकार अन्य नागरिकों की तरह ही दिए हैं। मैंने आज तक ऐसा कोई अपराध नहीं किया है कोई भी मुझे देश निकाला दे दे..! आगे उन्होंने लिखा, इस देश को बनाने में मेरे पुरखों का खून पसीना भी मिला है

जर्मनी ने भारतीयों के लिए खोला जॉब मार्केट, हर साल 90 हजार वीजा देने का ऐलान

नई दिल्ली। यूरोप में आर्थिक तौर पर सबसे शक्तिशाली देश जर्मनी ने अपने जॉब मार्केट को भारतीयों के लिए खोल दिया है। जर्मन सरकार ने फैसला किया है कि वह हर साल 90 हजार भारतीयों को काम करने का वीजा देगी। अभी तक इस श्रेणी में 20 हजार भारतीयों को वीजा मिलता था। वीजा देने की संख्या आने वाले दिनों में बढ़ाई भी जा सकती है। इस बात की जानकारी भारत के दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने दी। शुक्रवार को उनकी पीएम नरेन्द्र मोदी से मुलाकात हुई और द्विपक्षीय संबंधों के तमाम आयामों पर बात हुई। पीएम मोदी ने जर्मनी की इस घोषणा की जानकारी दी और इसका स्वागत किया। जर्मन व्यवसायों के 18वें एशिया प्रशांत सम्मेलन (एपीके- 2024) में पीएम मोदी ने कहा कि जर्मनी ने प्रशिक्षित भारतीयों के लिए हर वर्ष मिलने वाले वीजा की संख्या, 20 हजार से बढ़ाकर 90 हजार करने का फैसला किया है। मुझे विश्वास है कि इससे जर्मनी की ग्रोथ को नई गति मिलेगी। गौरतलब है कि जर्मनी ना सिर्फ यूरोप की सबसे बड़ी इकोनॉमी है, बल्कि इसकी आर्थिक विकास दर की संभावनाएं भी यूरोप के अन्य देशों के मुकाबले सबसे अच्छी है। यूरोप के दूसरे देश जहां अवैध प्रवासी समस्या और आर्थिक मंदी से जूझ रहे हैं, वहीं जर्मनी मजबूत स्थिति में है, लेकिन उसे तेज आर्थिक विकास दर की रफ्तार बनाये रखने के लिए श्रम चाहिए, जिसकी पूर्ति अभी सिर्फ भारत करने की स्थिति में है। चासंलर शोल्ज भारत व जर्मनी के रिश्तों को मजबूत करने को खासी प्राथमिकता पर लेते हैं। उनकी गठबंधन सरकार की सरकार चलाने संबंधी प्रपत्र में भारत के खास तौर पर किया गया है। भारत आने से पहले शोल्ज की कैबिनेट ने फोकस ऑन इंडिया नाम से एक प्रपत्र को मंजूरी दी है। भारत सिर्फ दूसरा देश है, जिसके साथ संबंधों को लेकर विशेष प्रपत्र जर्मनी ने जारी किया है। इस प्रपत्र में भारत के सकुशल व पेशेवर कामगारों को जर्मनी में अवसर देने का विस्तार से जिक्र किया गया है। जर्मनी पिछले चार-पांच वर्षों से भारतीयों कामगारों को आकर्षित कर रहा है। इस वजह से वहां भारतीय समुदाय के लोगों की संख्या दोगुनी होकर 2.50 लाख हो चुकी है।

विस्फोट के बाद टुकड़े-टुकड़े होकर अंतरिक्ष में बिखर गई सैटलाइट

नई दिल्ली। अंतरिक्ष में एक संचार उपग्रह 19 अक्टूबर को अचानक बम की तरह ब्लास्ट कर गया। टुकड़े-टुकड़े होकर उसका मलबा अंतरिक्ष में बिखर गया। जिस सर्विस प्रोवाइडर की कम्यूनिकेशन सैटलाइट थी, उसके कस्टमर अफ्रीका, यूरोप और एशिया-प्रशांत के कुछ हिस्सों में हैं जहां इंटरनेट सर्विस भी प्रभावित हुई है। एक कम्यूनिकेशन सैटलाइट की उम्र 15-20 वर्ष मानी जाती है लेकिन ये सिर्फ 7 साल में खाक हो गई। आखिर ऐसा क्यों हुआ? एक्सपर्ट भी सिर खुजा रहे हैं, जवाब तलाशने में लगे हैं। अंतरिक्ष में सैटलाइट का मलबा फैलने के बाद अन्य उपग्रहों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। सैटलाइट का नाम था इंटेलसैट 33ए और इसका संचालन अमेरिकी कंपनी इंटेलसैट कर रही थी। कंपनी ने इसे टोटल लॉस करार दिया है। सैटलाइट को बोइंग ने बनाया था। यूएस स्पेस फोर्स ने भी सैटलाइट में विस्फोट की पुष्टि की है। उसने बताया कि 19 अक्टूबर 2024 को इंटेलसैट 33ए (ष्41748, 2016-053इ) टूट गया। अभी तक इसके लगभग 20 टुकड़े देखे गए हैं और आगे की जांच जारी है। स्पेस फोर्स के मुताबिक फिलहाल तो कोई खतरा नहीं है। लेकिन, वे अंतरिक्ष में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इन टुकड़ों पर नजर बनाए हुए हैं।

'दाना' तूफान में फंसी थी बुजुर्ग महिला, 'आशा' ने बचाई जान

भुवनेश्वर। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में चक्रवात दाना के बीच एक महिला ने मिसाल पेश की है। महिला ने चक्रवात के प्रभाव के बावजूद एक बुजुर्ग महिला की जान बचाई है। तूफान की वजह से राज्य के कई इलाकों में तेज हवाएं और भारी बारिश हो रही है। चक्रवात दाना का प्रभाव कम हो गया है, लेकिन इससे सबसे ज्यादा प्रभावित ओडिशा हुआ है। इस बीच ओडिशा के केंद्रापाड़ा जिले की आशा कार्यकर्ता सिबानी मंडल ने चक्रवात दाना के खतरे के बीच एक मिसाल पेश की है। खसमुंडा गांव में सिबानी मंडल ने एक बुजुर्ग महिला को अपनी पीठ पर उठाकर सुरक्षित आश्रय स्थल तक पहुंचाया।

सिंगल कॉलम

मौसम के अनुसार बच्चों को आहार पर विशेष ध्यान देने की जरूरत

इंदौर। शासकीय आयुर्वेद औषधालय निरंजनपुर द्वारा स्कीम 78 स्थित ओरियंट पब्लिक स्कूल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में डॉ. ज्योति बडोले ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। साथ ही बच्चों को आयुर्वेदिक दिनचर्या के माध्यम से कैसे स्वस्थ रखा जा सकता है, इस बारे में समझाया। डॉ. बडोले ने बताया कि बच्चों को मौसम के अनुसार आहार विहार पर विशेष ध्यान देना चाहिए। साथ ही किस मौसम में कौन सा आहार लेना चाहिए, इसकी जानकारी दी। उन्होंने शिविर में योग आदि के बारे में भी जानकारी दी। शिविर में निरंजनपुर का समस्त स्टाफ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हंसा पारगी एवं प्रिंसिपल किरण गुप्ता भी मौजूद रहीं।

जीएसटी में हर बिल की होगी ऑनलाइन एंट्री, 1 नवंबर से लागू नया सिस्टम

इंदौर। गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) में अब हर बिल, इनवायस, चालान की ऑनलाइन एंट्री होगी और उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का विकल्प भी दर्ज करना होगा। 1 नवंबर से यह नई व्यवस्था लागू हो रही है। जीएसटी कॉमन पोर्टल पर इस नए सिस्टम को इनवाइस मैनेजमेंट सिस्टम (आईएमएस) के नाम से लागू किया गया है। मप्र टैक्स ला बार एसोसिएशन ने परिचर्चा इनवाइस मैनेजमेंट सिस्टम(आईएमएस) की कार्यप्रणाली और आईटीसी पर पड़ने वाले प्रभावों का व्यावहारिक एवं प्रायोगिक विश्लेषण आयोजित की। सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त संजय सूद और एडवोकेट अमित दवे चर्चा के सूत्रधार थे। मुख्य वक्ता एडवोकेट अंकुर अग्रवाल और गौरव अग्रवाल ने आईएमएस को समझाते हुए कहा कि इनवाइस मैनेजमेंट सिस्टम जीएसटी सिस्टम में एक सुविधा है। इसमें आपूर्तिकर्ता द्वारा जीएसटीआर-1,1ए,आइएफएफ में सहेजे गए इनवाइस और रिकार्ड को प्राप्तकर्ता द्वारा स्वीकार या अस्वीकार किया जा सकेगा।एडवोकेट गौरव नीमा ने कहा कि करदाताओं को उपलब्ध आईटीसी निर्धारित करने में आईएमएस महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह सुनिश्चित करेगा कि केवल वैध और सत्यापित आईटीसी ही ले पाएगा, इससे त्रुटियों और धोखाधड़ी के मामले कम होंगे। मप्र टैक्स लॉ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट अश्विन लखोटिया द्वारा कहा गया कि अब भी इसमें कई कमियां है। आईएमएस में सप्लायर एवं रिसीवर दोनों को संशोधन का विकल्प मिलना चाहिए। इसका उपयोग करने पर ही इससे संबंधित कमियां सामने आयेगी। वरिष्ठ कर सलाहकार संतोष मोलासरिया, सुभाष बाफना, केदार हेडा, एके गौर, अमर माहेश्वरी ने चर्चा में हिस्सा लिया। आपूर्ति कर्ता अपने जीएसटीआर-वन में मूल चालान या रिकार्ड फाइल करेंगे। प्राप्तकर्ता को आइएमएस में ये उपलब्ध होंगे।

–

नशा और गुंडागर्दी को खत्म करना पहली प्राथमिकता

इंदौर। इंदौर के नए पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने शुक्रवार दोपहर 3 बजे पदभार ग्रहण कर लिया। वे शहर के चौथे पुलिस कमिश्नर हैं। पलासिया स्थित ऑफिस में चार्ज लेने के बाद उन्होंने कहा कि नशा और गुंडागर्दी को खत्म करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। इससे पहले वे शहर में डीआईजी के पद पर रह चुके हैं। संतोष सिंह गंभीर पुलिसिंग के लिए जाने जाते हैं। वे देर रात तक अफसरों को सड़कों पर रहने ही हिदायत देते हैं। खुद भी देर रात तक सड़कों पर मौजूद रहते हैं। इस दौरान किसी भी थाने में जाकर औचक निरीक्षण करते हैं। खामियां मिलने पर सजा देते हैं। अच्छे काम का इनाम भी देते हैं। संतोष सिंह के सामने शहर में बढ़ता नशा, लूट और चाकूबाजी की घटनाएं चुनौती होगी। शहर में ट्रैफिक की समस्या बनी हुई है।

घर पर दिवाली की सफाई करते समय हुआ हादसा

इंदौर। इंदौर के क्राइम ब्रांच थाने में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल जवाहर सिंह जादौन की करंट लगने से मौत हो गई। वे जूनी इंदौर स्थित पुलिस के सरकारी क्वार्टर में रहते थे। शुक्रवार को वे घर पर दिवाली की सफाई कर रहे थे। तभी घर में करंट फैल गया। उस समय परिवार के लोग घर के बाहर थे। पड़ोसियों ने परिवार को सूचना दी। कुछ ही देर में परिवार और पुलिस अफसर जादौन के घर पहुंच गए। उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जादौन क्राइम ब्रांच से पहले एमजी रोड थाने में पदस्थ रह चुके हैं। परिवार में भतीजा विक्रांत सिंह जादौन लसूड़िया थाने में पदस्थ है। वहीं, चाचा सत्येंद्रसिंह जादौन फिलहाल एमजी रोड थाने में एएसआई हैं।

4500 कि.मी. की यात्रा के लिए पूजा गर्ग को अग्रवाल संगठनों ने दी विदाई

18 हजार फीट ऊंचाई तय कर देंगी बीमारियों से लड़ने का संदेश

सिटी चीफ इंदौर।

स्वयं दिव्यांग, कैंसर एवं स्पाईनल कार्ड से ग्रस्त होते हुए भी अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में पदक हासिल कर देश एवं समाज का नाम रोशन करने वाली पूजा गर्ग को शुक्रवार को हरी झंडी दिखाकर 4500 कि.मी. की 20 से 25 दिवसीय नाथुला दर्रा यात्रा के लिए विदाई दी गई। इस मौके पर पूजा को इस साहसिक यात्रा के लिए प्रोत्साहन स्वरूप 2 लाख रुपए की सहायता राशि भी दी गई। पूजा एक विशेष बाइक से यह यात्रा तय करेंगी।

गीता भवन सत्संग सभागृह में आयोजित समारोह में अग्रवाल समाज के विभिन्न संगठनों की ओर से महापौर पुष्यमित्र भार्गव, समाजसेवी प्रेमचंद गोयल एवं टीकमचंद गर्ग के आतिथ्य में पूजा को विदाई दी गई। अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष राजेश बंसल, संयोजक अरविंद बागड़ी एवं किशोर गोयल ने बताया कि इस अवसर पर पीपल्याहाना अग्रवाल संगठन, विजय नगर अग्रवाल महासंघ, अग्रवाल परिषद, अग्र मिलन, अग्र बंधु, अग्रसेन सोशल ग्रुप एवं गीता भवन ट्रस्ट की ओर से अध्यक्ष राम ऐरन, राजेश गर्ग, शिव जिंदल, हरि अग्रवाल, गणेश गोयल, राजेश इंजीनियर, नंदकिशोर कंदोई, अमित अग्रवाल, तृप्ति अग्रवाल, दीप्ति अग्रवाल, के.के. गोयल, अन्नपूर्णा क्षेत्र अग्रवाल महासंघ के अध्यक्ष संजय गोयनका, संस्था सहायता के अनिल भंडारी, उद्योगपति संदीप जैन सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु मौजूद थे, जिन्होंने पूजा को इस कैंसर तथा अन्य असाध्य बीमारियों से जागरूकता के उद्देश्य से की जा रही साहसिक यात्रा के लिए पुष्पमालाओं से लादने के साथ ही उन्हें 2 लाख रुपए से अधिक की आर्थिक सहायता राशि भी भेंट की।

अंतरराष्ट्रीय कैंसर अवेयरनेस दिवस पर लोगों को संदेश देंगी

पूजा इस यात्रा में समुद्र तल से 14 हजार 140 फीट ऊपर तक चलते हुए 18 हजार फीट की ऊंचाई स्थित भारत-चीन सीमा पर 20 से 25 दिनों में पहुंचकर 7 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय कैंसर अवेयरनेस दिवस पर लोगों को संदेश देंगी कि जिद, जज्बा, जोश और जुनून हो तो असंभव नाम का शब्द कोई मायने नहीं रखता। उनकी इस यात्रा को उन्होंने ठान लिया तो ठान लिया शीर्षक दिया है।

बीमारी से डरे बिना उनका मुकाबला करने की जरूरत

इस मौके पर पूजा गर्ग ने शहर के नागरिकों से मिले स्नेह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिंदगी में बड़ी से बड़ी जंग या बीमारी से डरे बिना उनका मुकाबला करने की जरूरत है। मैं स्वयं कैंसरग्रस्त होते हुए भी अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्पधाओं में पदक हासिल कर चुकी हूं और आज असाध्य बीमारियों से मुकाबले का संदेश देने के लिए इस यात्रा पर निकल रही हूं। इसमें अग्रवाल समाज के बंधुओं ने मुझे हरसंभव मदद देकर मेरा उत्साहवर्धन किया है।

शहर के विकास में भी अग्रवाल बंधुओं का महत्वपूर्ण योगदान

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पूजा की यात्रा को इंदौर के लिए गौरव का विषय बताते हुए कहा कि अग्रवाल समाज हमेशा सेवा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है और शहर के विकास में भी अग्रवाल बंधुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पूजा की यह यात्रा एक साहसिक यात्रा तो है ही साथ की कैंसर जैसी बीमारी से लड़ने की प्रेरणा भी देगी।

हम सब इंदौर के नागरिक उनकी इस यात्रा के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करते हैं। कार्यक्रम का संचालन किशोर गोयल ने किया और कार्यक्रम संयोजक अरविंद बागड़ी ने आभार माना। कार्यक्रम के समापन अवसर पर समासेवी प्रेमचंद गोयल ने 2 लाख रुपए की सहायता राशि पूजा गर्ग को भेंट की। इस मौके पर समाजबंधुओं ने दीपोत्सव की बेला में स्वदेशी सामान खरीदने का भी संकल्प व्यक्त किया।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई : 361 किलो नमकीन जब्त, रणजीत किचन सुदामा नगर में भोजन निर्माण कार्य कराया गया बंद

बिना लाइसेंस चल रही घी की दुकान कराई बंद

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। त्योहारों के चलते बाजार में मिल रहा मिलावटी सामान लगातार जब्त किया जा रहा है। इसी कड़ी में दल द्वारा केदारनाथ ट्रेडर्स मल्हारगंज का औचक निरीक्षण किया गया। मौके पर उपस्थित विक्रेता सचिन तालरेजा के पास खाद्य व्यवसाय का लाइसेंस नहीं पाया गया। परिसर में खाद्य पदार्थ घी जो की विभिन्न ब्रांडों का है मानव उपभोग को विक्रय के लिए संग्रहित पाया गया। मौके से पारस घी, प्योरास्योर घी, श्रीधी घी, वाइटस्टार घी के कुल 04 नमूने लिए गए तथा लाइसेंस न होने के कारण लाइसेंस लिए जाने तक, खाद्य व्यवसाय को बंद कराया गया।

एक अन्य कार्रवाई में नमकीन क्लस्टर स्थित अंबिका नमकीन भंडार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में कमियां पाई गई जैसे रॉ मैटेरियल स्टोरेज एरिया में गंदगी पाई गई, फूड हैंडलर्स का मेडिकल सर्टिफिकेट नहीं पाया गया और परिसर का पेस्ट कंट्रोल का रिकॉर्ड भी नहीं प्रस्तुत किया गया। परिसर में निर्माण किए जाने वाले नमकीन के पैकेट में लेबलिंग संबंधित त्रुटियां पाई गई, जिसके कारण सेव के कुल चार नमूने जांच के लिए गये। यहां से कुल 361 किलोग्राम नमकीन जिसकी अनुमानित कीमत 47 हजार रुपए है, उसे भी जब्त किया गया।

इसी तरह एक अन्य कार्रवाई में गौरी गोपाल डेयरी टावर चौराहा इंदौर का निरीक्षण कर दूध एवं दूध से बने उत्पादों के कुल पांच नमूने लिए गए हैं। इस कार्रवाई के तहत अमूल डेयरी प्राइवेट लिमिटेड विजय नगर का निरीक्षण कर पनीर और दूध का नमूना लिया गया है। उद्योग नगर मूसाखेड़ी स्थित मामा जी गृह उद्योग का निरीक्षण किया गया, मौके पर कन्फेक्शनरी निर्माण किया जाना पाया गया, जांच के लिए कन्फेक्शनरी के दो नमूने लिए गए।

नैना कान्फेक्शरी उद्योग नगर मूसाखेड़ी से कन्फेक्शनरी के तीन नमूने लिए गए। एक अन्य दल द्वारा ग्राम धूलेट नेमावर रोड इंदौर स्थित अग्नि फूड प्राइवेट लिमिटेड का निरीक्षण कर घी, बटर के चार नमूने लिए गए।

परिसर में गंदगी, अंदर बना रहे थे भोजन

दल को शिकायत प्राप्त होने पर रणजीत किचन सुदामा नगर का भी निरीक्षण किया गया, मौके पर परिसर में गंदगी पाई गई। यहां जांच के लिए कुल चार नमूने लिए गए तथा भोजन निर्माण स्थल की परिस्थितियां भोजन निर्माण के लिए उपयुक्त ना होने के कारण परिसर में भोजन निर्माण का कार्य सुधार होने तक तत्काल प्रभाव से बंद कराया गया। खाद्य सुरक्षा प्रशासन के दल द्वारा दैनिक रूप से सतत कार्रवाई की जा रही है। साथ ही विभाग को विभिन्न माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों का भी त्वरित निराकरण किया जा रहा है। सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल की ओर भेजा जाएगा, जिनकी विश्लेषण रिपोर्ट प्रति उपरांत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान प्रतिष्ठान संचालकों को खाद्य पदार्थों के रखरखाव, परिसर की साफ सफाई बनाए रखने, समुचित कीट प्रबंधन, फूड हैंडलर्स की व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने से संबंधित दिशा निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई आगे भी सतत रूप से जारी रहेगी।

बस से जब्त किए गए मावा के 2 नमूने फेल

यश ट्रेवल्स की एक बस नंबर में ग्वालियर से मावा भरकर विक्रय के लिए आया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा बस को लगातार ट्रैक किया गया और तीन इमली बस स्टैंड पर उक्त बस की जांच करने पर पाया कि बोरियों में मावा और मिठाई (हलवा एवं बर्फी) रखा हुआ है।

प्रारंभिक जांच में उक्त खाद्य पदार्थ मिलावटी और अमानक स्तर के प्रतीत होने पर मावा, हलवा और बर्फी के कुल 09 नमूने लिए गए थे, जिनमे से 04 नमूनों की रिपोर्ट प्राप्त हुई है, जिनमें से मावा के 02 नमूने अमानक पाए गए हैं। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

संभागायुक्त ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

रालामंडल में व्यावसायिक गतिविधियों पर रहेगी रोक

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में शुक्रवार को संभागायुक्त दीपक सिंह ने रालामंडल अभ्यारण इको सेंसिटिव जोन स्थित परियोजना की समीक्षा बैठक ली। बैठक में निर्देश दिए है कि रालामंडल के इको सेंसिटिव जोन अंतर्गत सीमा क्षेत्र की मार्किंग की जाए। वहीं क्षेत्र में किसी भी तरह के विकास संबंधी अनुमति के लिए मॉनिटरिंग समिति की अनुशंसा अनिवार्य रहेगी। इस दौरान सीसीएफ एम आर बघेल, डीएफओ मयंक सिंह सोलंकी, अपर कलेक्टर गौरव बेनल, उपायुक्त सपना लोवंशी, रालामंडल अभ्यारण अधीक्षक योहन कटारा सहित प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग सहित अन्य विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में संभागायुक्त ने कहा कि रालामंडल अभ्यारण के इको सेंसिटिव जोन में किसी भी तरह की व्यवसायिक गतिविधियां ना हो, इसके लिए विशेष प्रयास और निगरानी रखी जाए। रालामंडल के इको सेंसिटिव जोन अंतर्गत सीमा क्षेत्र की मार्किंग की जाए। उक्त सीमाकंन की विस्तृत जानकारी कलेक्टर, कॉलोनी सेल, आईडीए, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित अन्य विभागों को प्रदान की जाए। किसी भी तरह के विकास संबंधी अनुमति के लिए अनिवार्य रूप से मॉनिटरिंग समिति की अनुशंसा सुनिश्चित हो, एक जांच समिति गठित की जाए। जो रालामंडल अभ्यारण के सेंसिटिव जोन में निर्माण और विकास की जांच करेंगी। इस समिति में वन, राजस्व, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग सहित अन्य विभाग के अधिकारियों को सम्मिलित किये जाए।

कंसल्टेंट नियुक्त करने के भी दिए निर्देश

संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि रालामंडल अभ्यारण के लिए आंतरिक महा योजना अंतर्गत मास्टर प्लान तैयार किये जाने के लिए कंसल्टेंट नियुक्ति का प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत किया जाए। जिससे इको टूरिज्म की संभावनाओं को मूर्त रूप प्रदान किया जा सके। सिंह ने निर्देश कहा कि मॉनिटरिंग समिति की बैठक निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए। निर्देश दिए कि रालामंडल कंट्रोल एरिया अंतर्गत जारी दिशा निदेर्शों का पालन सुनिश्चित किया जाए। पशु-पक्षियों, वनस्पति आदि पर सचित्र बुक तैयार करने के निर्देश दिए। इको टूरिज्म के लिए विशेष प्रयास किये जाने की भी बात कही।

सार्वजनिक नहीं होगी मंदसौर गोलीकांड की जांच रिपोर्ट, एमपी हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका

सिटी चीफ इंदौर।

छह जून 2017 को मंदसौर में प्रदर्शन कर रहे किसानों पर गोली किसके आदेश पर चलाई गई थी यह सवाल अब हमेशा के लिए फाइलों में बंद होकर रहस्य रह जाएगा। गोलीकांड की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होगी। रिपोर्ट विधानसभा पटल पर रखने की मांग करने वाली जनहित याचिका हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने निरस्त कर दी।

हाई कोर्ट ने इस मामले में दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था, जो

गुरुवार को सामने आया। नौ पेज के फैसले में कोर्ट ने कहा कि अधिनियम में रिपोर्ट विधानसभा पटल पर रखने की अधिकतम समय सीमा छह माह निर्धारित की है, लेकिन छह माह में रिपोर्ट विधानसभा पटल पर नहीं रखी जाए तो क्या होगा यह स्पष्ट नहीं है।

'जीतो' के साथ दिए खास तोहफे, बच्चों को आत्मनिर्भर बनाएगा संगठन

सोनू सूद ने इंदौरी बच्चों के साथ मनाई सेवा वाली दिवाली

सिटी चीफ इंदौर।

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) ने दीपावली के पावन पर्व पर एक विशेष पहल की है। जीतो यूथ ने अपने सदस्यों के सहयोग से विभिन्न आश्रमों और गैर सरकारी संगठनों के 1200 से अधिक अनाथ एवं विशेष रूप से सक्षम (स्पेशियली एबल्ड) बच्चों के साथ दिवाली का त्योहार मनाया।

इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक गणेश वंदना से हुई, इसके बाद विशेष रूप से सक्षम बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं।

उनके मधुर गीतों और सुंदर नृत्यों को जोरदार ताली बजाकर सराहा गया। ढोल-ताशा और मिठाई के साथ एक भव्य स्वागत ने बच्चों को विशेष महसूस कराया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इन बच्चों के समग्र विकास और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना था। संगठन ने आगे इन बच्चों के कल्याण के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सदस्यों ने कहा कि हमारे युवा सदस्य, जो 18 से 36 वर्ष के आयु वर्ग के हैं, उन्होंने दिवाली की भावना को पुनर्परिभाषित किया है। उनका समर्पण सराहनीय है। हम अब से हर साल इसी तरह से दीवाली के इस त्योहार को मनाने का प्रयास करेंगे एवं इन बच्चों का तब तक समर्थन करते रहेंगे जब तक वे आत्मनिर्भर नहीं हो जाते। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने कहा, मैं हमेशा इंदौर को अपना दूसरा घर कहता हूं। बहुत सारी ऐसी यादें हैं जो मेरी इंदौर से जुड़ी हुई हैं। मुझे खुशी है कि आज मैं एक ऐसे कार्यक्रम में उपस्थित हुआ हूं जहां पर लोग, जहां पर जीतो का संगठन ऐसे बच्चों के लिए काम कर रहा है जो शारीरिक रूप से स्पेशली एबल्ड हैं। इससे बेहतर दिवाली की खुशी और दिवाली का त्योहार मनाने का दूसरी तरीका नहीं हो सकता। मुझे बहुत खुशी है और गर्व है कि मैं ऐसे कार्यक्रम में मौजूद हुआ हूं और हम सभी को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए और इसी तरह की दिवाली सेलिब्रेट करनी चाहिए।

उप जिला मूल्याकंन और जिला मूल्यांकन में सहमति के बाद 1 जनवरी से लागू कर दी जाएंगी नई दरें

दीपावली के बाद 300 स्थानों पर महंगी होगी प्रॉपर्टी!

सिटी चीफ भोपाल।
राजधानी में बीते छह महीने में एक हजार 294 स्थानों पर जमकर प्रॉपर्टी की खरीद -फरोख्त की गई है। इनमें से 300 स्थान ऐसे हैं, जहां वर्तमान दरों से अधिक दरों पर रजिस्ट्रियां हुई हैं। ऐसे में अब जिला प्रशासन और पंजीयन विभाग ने इन स्थानों पर प्रॉपर्टी की दरें बढ़ाने का निर्णय लिया है। संभवत - दीपावली के बाद यहां प्रॉपर्टी महंगी हो सकती है और इसके लिए किसी भी तरह की कोई दावे-आपत्ति भी नहीं लिए जाएंगे। इस संबंध में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने वरिष्ठ जिला पंजीयक मुकेश श्रीवास्तव, स्वप्नेश शर्मा सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक ली और उन्हें नई कलेक्टर गाइडलाइन का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी भोपाल सहित प्रमुख जिलों में प्रॉपर्टी की जमकर खरीद-फरोख्त के चलते पिछले दिनों तीन-तीन महीने में प्रॉपर्टी की दरें तय करने के निर्देश दिए थे। अधिकारियों ने बताया कि शहर के किन स्थानों पर अधिक दामों में प्रॉपर्टी की ज्यादा खरीद-फरोख्त की जा रही है, इसका पता लगाने के लिए एआई की मदद ली जाएगी। इससे यह पता चल सकेगा कि किन क्षेत्रों में अधिक दामों पर जमकर प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त की जा रही है। इन्हीं स्थानों को प्रस्ताव में शामिल किया जाएगा। उप जिला मूल्याकंन और जिला मूल्यांकन में सहमति के बाद नई दरें एक जनवरी से लागू कर दी जाएंगी। जिले में प्रॉपर्टी की बढ़ती खरीद-फरोख्त के चलते हर तीन महीने यानि अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर और जनवरी में दरें दोबारा से बढ़ाई जाएंगी। ऐसे में एक स्थान पर तीन-तीन महीनों की खरीद-फरोख्त का असर प्रॉपर्टी के दामों पर पड़ेगा।

यहां बढ़ सकते हैं प्रॉपर्टी के दाम

एआई की मदद से पंजीयन के पोर्टल के बीते छह महीने के डेटा का विश्लेषण किया जा रहा है। क्षेत्रीय स्थान, मेट्रो रूट, प्रमुख सरकारी परियोजनाएं और बस स्टैंड के आसपास की प्रॉपर्टी का मूल्यांकन एआई मॉडल से किया गया है। कोलार सिक्सलेन की वजह से गोल जोड़, थुआखेड़ा से लेकर कजलीखेड़ा तक बदलाव होगा। चूनाभट्टी से नेहरू नगर, कोटरा, वैशाली नगर में भी दरें बदलेंगी। इसके साथ ही सलैया से बगली के बीच, बैरागढ़ रेलवे लाइन के आसपास, सनखेड़ी, हिनोतिया आलम, बरखेड़ा नाथू, कलखेड़ा, सेवनियां गोंड से लेकर इंद्रपुरी से अयोध्या बायपास और यहां से आशाराम तिराहा तक प्रस्तावित बायपास से 100 मीटर तक की दरों में बदलाव प्रस्तावित किया जाएगा।

चार स्थानों पर 95 प्रतिशत तक दाम बढ़ाए गए थे दाम

अप्रैल 2024 में नई गाइडलाइन लागू की थी, जिसमें कोलार, सलैया, अयोध्या बाइपास और मिसरोद में 25 से लेकर 95 प्रतिशत तक दाम बढ़ाए गए थे। सबसे ज्यादा मिसरोद के कोरल वुड्स के मुख्य मार्ग पर प्रति वर्ग मीटर 94 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी।

यहां रहवासी प्लाट की कीमत 44 हजार रुपये वर्ग मीटर से बढ़ाकर 70 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर किया गया।

दाम नए सिरे से तय किए जाएंगे

गाइडलाइन हमारे नियमित कार्य का हिस्सा है। हमारी टीम नई तकनीकी का उपयोग कर इसके लिए लगातार काम करती है। शासन की मंशा के अनुसार हम गाइडलाइन को लेकर काम कर रहे हैं। प्रापर्टी के दाम नए सिरे से तय किए जाएंगे।

- कौशलेंद्र विक्रम सिंह, कलेक्टर, भोपाल

सीएम मोहन यादव ने बताया प्रदेश के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम, माना पीएम का आभार

प्रदेश की 2 सड़क परियोजनाओं के लिए 1500 करोड़ मंजूर

सिटी चीफ भोपाल।
केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दिपावली से पहले मध्य प्रदेश को सड़क परियोजनाओं के रूप में बड़ा तोहफा दिया है। गडकरी ने राज्य में दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं के लिए 1500 करोड़ रुपये से अधिक की मंजूरी दी है, जिससे कनेक्टिविटी बेहतर होगी और आर्थिक विकास को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए इसे मध्य प्रदेश के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया है।

पहली परियोजना ग्यारसपुर से राहतगढ़ तक फोरलेन सड़क निर्माण की है, जिसके लिए 903 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। यह सड़क भोपाल-कानपुर कॉरिडोर का हिस्सा है और इसके निर्माण से क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। दूसरी परियोजना जबलपुर रिंग रोड के अंतिम चरण के लिए है, जिसके लिए 607 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। गडकरी ने कहा कि मध्य प्रदेश में एनएच-146 के ग्यारसपुर से राहतगढ़ खंड फोरलेन में अपग्रेड और विकास के लिए 903.44 करोड़ रुपए की लागत राशि मंजूर की गई है। यह मार्ग खंड भोपाल-कानपुर कॉरिडोर का एक हिस्सा है। इस मार्ग से क्षेत्रीय व्यापार, वाणिज्य को बढ़ावा मिलेगा और नए सामाजिक-आर्थिक अवसर निर्माण होंगे। यह परियोजना जबलपुर शहर में यातायात की भीड़ कम करने और क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा देने में मदद करेगी। दोनों परियोजनाओं से मध्य प्रदेश में सड़क संपर्क में सुधार होगा और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही मध्य प्रदेश में जबलपुर रिंग रोड-पैकेज (जबलपुर रिंग रोड का अंतिम चरण) से 4-लेन एक्सेस कंट्रोल हाईवे के विकास के लिए 607.36 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की गई है। यह खंड मार्ग जबलपुर रिंगरोड और रीवा - जबलपुर - रायपुर कॉरिडोर का एक हिस्सा है। इस मार्ग के चौड़ीकरण से जबलपुर शहर में भीड़-भाड़ कम होगी।

उन्होंने आगे कहा कि इससे क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर निर्माण होंगे। यह परियोजना जबलपुर और क्षेत्र में बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर क्षेत्र की समृद्धि और सुरक्षितता सुनिश्चित करेगी। वहीं, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इन परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह मध्य प्रदेश के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम है और इससे राज्य में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

छत्तीसगढ़ के जंगल में छोड़ने की तैयारी

मप्र के अभयारण्य में बंधक दो हाथियों को मुक्त कर वन विभाग

भोपाल। मध्य प्रदेश में बंधक बनाकर टाइगर रिजर्व में रखे गए दो नर हाथियों को मुक्त कर उनके गृह राज्य छत्तीसगढ़ के जंगल में छोड़ा जाएगा। एल्सा फाउंडेशन ने वन विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल को पत्र लिखकर दोनों हाथियों को मुक्त कर होम रेंज (छत्तीसगढ़ के जंगलों) में छोड़ने की करने की मांग की थी। इस पर वन विभाग सहमत हो गया है।

सात-आठ माह पहले पकड़ा था

दरअसल, मध्य प्रदेश में फरवरी और मार्च 2024 में छत्तीसगढ़ से आए दो नर हाथियों को शहडोल और अनूपपुर से पकड़ कर कान्हा टाइगर रिजर्व और बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बंधक बनाकर रखा हुआ है। संस्था की मांग पर हाथियों को बंधक बनाने के बाद वन में वापस छोड़ने को लेकर वन विभाग तैयार हो गया है।

दो मार्च 2024 को उत्तर शहडोल वन मंडल से एक नर हाथी (उम्र 10 वर्ष) को पकड़ के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के रामा हाथी कैंप में रखा गया है।

दूसरे हाथी (उम्र 25 वर्ष) को 25 फरवरी 2024 को अनूपपुर वन मंडल से पकड़ कर किसली हाथी कैंप कान्हा टाइगर रिजर्व में रखा गया है।

इनको वापस छोड़े जाने को लेकर जबलपुर हाई कोर्ट में लंबित एक जनहित याचिका में मध्य प्रदेश वन विभाग ने बताया है कि वह बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में रखे रखे हाथी को छोड़ देगा और दूसरे हाथी को जंजीरों से बांधने के कारण चोटें आ गई है, उसे ठीक होते ही छोड़ दिया जाएगा।

दोनों हाथियों को एक साथ छोड़ने की मांग

दोनों हाथियों को अलग-अलग वन क्षेत्र (उसके गृह क्षेत्र से दूर) में छोड़ने की योजना बनाई गई है। वन विभाग की समिति ने लिखा है कि यदि पहले हाथी की रिहाई विफल हो जाती है, तो उस हाथी को फिर से पकड़कर कैद में रखा जाएगा। इस पर एल्सा फाउंडेशन के संस्थापक प्रकाश ने पत्र में लिखा है कि एक अपरिचित वन क्षेत्र में एक हाथी को छोड़ने के दुखद परिणाम होते हैं। ऐसे छोड़ना हाथी के लिए अत्यधिक क्रूर और दर्दनाक होता है। अफ्रीका में विस्थापन या पुनर्वास हाथियों के बड़े समूहों में किया जाता है।

वन विभाग ने इन हाथियों को छोड़ने के लिए एक समिति बनाई है। समिति की रिपोर्ट में दी गई राय के अनुसार ये हाथी इंसानों के आदी हो चुके हैं और जंगल में जीवित नहीं रह सकते। लेकिन एल्सा फाउंडेशन इससे सहमत नहीं है। उसका कहना है कि ये जंगली हाथी हैं, जिन्हें कुछ माह पहले ही पकड़ा गया था।

वन विभाग पर लगाए आरोप

इस मामले में वन्य प्राणी विशेषज्ञ अजय दुबे का आरोप है कि छत्तीसगढ़ से जो भी हाथी मध्य प्रदेश आता है, वन विभाग उसे टाइगर रिजर्व में उपयोग करने के लिए बंधक बना लेता है। यह बहुत ही गंभीर विषय है कि जिन दो हाथियों को फरवरी-मार्च में बंधक बनाया गया प्रत्येक से तीन-तीन जनहानि होने का दावा किया गया, जबकि दस्तावेज बताते है कि शहडोल और अनूपपुर को मिला कर सिर्फ तीन जनहानि हुई थी।

मध्य प्रदेश में सिकल सेल मरीजों के उपचार का रेफरल सेंटर बना भोपाल स्मारक अस्पताल

भोपाल। राजधानी के करोंद इलाके में स्थित भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में अब सिकल सेल बीमारी की जांच से लेकर पूरा उपचार हो सकेगा। इसके लिए केंद्र सरकार ने बीएमएचआरसी को सिकल सेल एनीमिया सक्षमता केंद्र का दर्जा दिया है। इस तरह का यह मध्य प्रदेश का पहला संस्थान है। केंद्र सरकार ने 27 जून 2023 को मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की शुरूआत की थी। इस मिशन के तहत केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय ने बीएमएचआरसी में सिकल सेल एनीमिया सक्षमता केंद्र बनाने का फैसला किया। सिकल सेल के मरीजों के लिए यह सक्षमता केंद्र निःशुल्क होगा। केंद्र में सिकल सेल की स्क्रीनिंग का काम शुरू हो गया है। इसके लिए अस्पताल में सभी आवश्यक मशीनें आ गई हैं। जल्द ही सिकल सेल के मरीजों के लिए अलग ओपीडी होगी, जहां ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के डाक्टर मरीजों को परामर्श देंगे। मरीजों एवं उनके स्वजनों के लिए क्लीनिकल हेमेटोलाजिस्ट व बाल्य रोग विशेषज्ञ उपस्थित होंगे। मरीजों की काउंसलिंग की जाएगी। दर्द से जूझ रहे सिकल सेल के मरीजों का पेन क्लिनिक में उपचार होगा। हाथ-पैरों में जकड़न की समस्या से ग्रस्त मरीजों को फिजियोथैरेपी की सुविधा मिलेगी। जरूरत पड़ने पर मरीजों को अस्पताल में भर्ती भी किया जाएगा। सिकल सेल बीमारी के लिए यह प्रदेश के 12 जिलों के लिए रेफरल सेंटर की तरह काम करेगा। इन जिलों में स्थित स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल मरीजों को जांच व उपचार के लिए यहीं भेजेंगे। इसके लिए अलग छह बिस्तरों का सिकल सेल वार्ड तैयार किया गया है। मरीजों को निशुल्क दवा भी उपलब्ध कराई जाएगी। सिकल सेल एनीमिया सक्षमता केंद्र में जल्द ही एक टेलिमेडिसिन सेंटर भी शुरू किया जाएगा। इसके तहत एक फोन नंबर जारी किया जाएगा। सिकल सेल से प्रभावित कोई भी व्यक्ति इस नंबर पर फोन करके बीमारी के बारे में सलाह ले सकता है।

भोपालवासियों को जल्द मिलेगी 22 नवीन संजीवनी क्लीनिक की सौगात

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। शहरी क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तारित करते हुए 22 नए मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक आगामी दिनों में शुरू किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नए संजीवनी क्लीनिक में चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति की जा चुकी है। मेडिकल स्टाफ द्वारा अपनी संस्थाओं में ज्वाइनिंग भी दी जा चुकी है। मासांत तक 22 नए संजीवनी क्लिनिक प्रारंभ किए जा रहे हैं। शासन द्वारा मूलभूत स्वास्थ्य सेवाएं घर के नजदीक उपलब्ध करवाने के लिए शुरू किए गए मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक बहुत उपयोगी सिद्ध हुए हैं। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग शहरी क्षेत्रों में संजीवनी क्लीनिक के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयासरत है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा नगर निगम के माध्यम से नए संजीवनी भवनों को तैयार करवाया गया है। यहां पर सर्दी, जुकाम ,खांसी ,बुखार जैसी बीमारियों के अलावा प्रसव पूर्व जांच, परिवार कल्याण सेवाएं, टीकाकरण, किशोर स्वास्थ्य, वृद्धजन स्वास्थ्य सेवाएं, बाल्यकालीन रोग, डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और संक्रामक रोगों की जांच की जा रही हैं।

मप्र के गांवों में अब जन औषधि केंद्र भी चलाएंगी कृषि सहकारी समितियां

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश की ग्राम पंचायतों में कृषि साख सहकारी समितियां (बी-पैक्स) अब मेडिकल स्टोर यानी जन औषधि केंद्र भी चलाएंगी। यहां से ग्रामीणों को बाजार के मुकाबले सस्ती दरों पर कारगर जेनेरिक दवाएं उपलब्ध हो पाएंगी। इस प्रयोग से सहकारी समितियों को आय का नया स्रोत भी मिल जाएगा।

सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ऐसे जन औषधि केंद्रों के संचालन के लिए प्रदेश की 275 समितियों का चयन किया गया। इनमें से 270 ने अपना औपचारिक आवेदन विभाग को कर दिया। इनमें से 55 समितियों को केंद्र संचालन का लाइसेंस जारी किया गया है। 24 समितियों में जन औषधि केंद्र शुरू भी करवा दिए गए हैं। मध्य प्रदेश में ऐसा प्रयोग पहली बार हो रहा है। उत्तर प्रदेश में कृषि साख सहकारी समितियां वर्ष 2023 में ही दवा कारोबार में उतर चुकी हैं। बता दें, मध्य प्रदेश में जन औषधि केंद्रों में व्यवसाय अच्छा हो रहा है। पिछले पांच वर्ष में यहां 44 करोड़ रुपये की जेनेरिक दवाएं बिकी हैं।

फार्मा कंपनी से होगा अनुबंध

नियमों के मुताबिक किसी दवा दुकान के संचालन के लिए फार्मासिस्ट होना अनिवार्य है। जिला उपायुक्त, सहकारिता छविकांत बाघमारे ने बताया कि कृषि साख सहकारी समितियों के जन औषधि केंद्र का संचालन करवाने के लिए फार्मा कंपनी से अनुबंध किया जाएगा। केंद्र सरकार को इसका प्रस्ताव जाना है। वर्तमान में सीहोर, धार सहित कुछ जिलों में समितियों ने स्थानीय स्तर पर फार्मासिस्ट नियुक्त कर दुकानों का संचालन शुरू किया है।

कृषि साख सहकारी समितियों पर जन औषधि केंद्र खुलने का सबसे अधिक लाभ किसानों को मिलेगा। वे अपने घर के नजदीक सस्ती दवाइयां प्राप्त कर सकेंगे। वहीं समितियों के स्वावलंबी होने से भी किसानों को कर्ज और दूसरी सुविधाएं मिलने में आसानी हो जाएगी।

साख समितियों को बहुउद्देशीय बनाने की कवायद

सरकार बेहतर कार्य करने वाली सहकारी साख समितियों को बहु उद्देश्यीय और विविध व्यवसाय करने वाली समिति बनाने की कोशिश कर रही है। सहकारिता विभाग ने 4500 समितियों में से 2000 समितियों को इसके लिए चुना है।

समितियां कर रही ये कारोबार

आर्गेनिक उत्पादों का व्यवसाय करने के 1,454 समितियों ने आवेदन किया है। इन समितियों के यहां आर्गेनिक बीज तैयार करने के लिए जगह भी उपलब्ध है। इस तरह की ज्यादातर समितियां आदिवासी क्षेत्रों में किसानों के साथ मिलकर काम करेंगी। समितियों को निर्यात कारोबार से जोड़ने का भी प्रस्ताव है। इन समितियों की प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराई गई है।

नेशनल एक्सपोर्ट कोऑपरेटिव सोसायटी की सदस्यता के लिए 1,700 समितियों से आवेदन कराया गया है।

इनका कहना है

प्रदेश की कई कृषि साख सहकारी समितियों को अलग-अलग काम करने के लिए कहा गया है। अभी इन समितियों को जन औषधि केंद्र संचालित करने के लिए लाइसेंस दिए जा रहे हैं।

-मनोज कुमार सरियाम, पंजीयक सहकारी संस्थाएं, मध्य प्रदेश

सम्पादकीय

मोदी-जिनपिंग संवाद के मायने

चीन के लोगों ने रात-दिन मेहनत की। वहां उस दौर में किसान की औसत सालाना आमदनी 15 लाख रुपए थी, जबकि भारत में यह औसत 1.5 लाख से भी कम थी। चीन ने तय किया कि 9 साल तक स्कूल में पढना अनिवार्य होगा। शिक्षा के साथ-साथ कौशल पर भी गहरा ध्यान दिया गया। नतीजा सामने है कि आज चीन को दुनिया की फैक्टरी माना जाता है। चीन 1522 लाख करोड़ रुपए और भारत 324 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था वाला देश है। भारत भी तेजी से विकास कर रहा है, लेकिन चीन सीमेंट, इस्पात, जूते, सोलर पैनल, एयरकंडीशनर, मोबाइल आदि की मंडी बना है।

पांच साल के बाद प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई और करीब 50 मिनट तक बातचीत हुई। यह एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय प्रयास माना जा सकता है। दोनों नेताओं ने हाथ मिलाए। अपने-अपने राष्ट्रीय ध्वजों की पृष्ठभूमि में मुलाकात हुई। कुछ मुस्कराए भी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात की जो शैली होती है, वह गायब रही। दोनों नेता आलिंगनबद्ध नहीं हुए। मुलाकात में गर्मजोशी और अंतरंगता महसूस नहीं हुई। इस द्विपक्षीय संवाद को अंतिम और निर्णायक भी नहीं माना जा सकता। एक तानाशाह किस्म के देश और एक लोकतांत्रिक देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बीच ऐसी मुलाकात और बातचीत, बेशक, एक महत्वपूर्ण कदम है। उसके जरिए आगे का रास्ता तय किया जा सकता है। यह दो समान शक्तियों के दरमियान समान स्तर का संवाद भी नहीं था, क्योंकि चीन भारत से करीब 6 गुना बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। सामरिक स्तर पर भी चीन एक वैश्विक महाशक्ति है। फिर भी 5 साल के गतिरोध के बाद चीन भारत के साथ द्विपक्षीय बातचीत को सहमत हुआ, इसे प्रत्येक लिहाज से कमतर नहीं आंकना चाहिए। चीन भारत को प्रतिस्पर्द्धी नहीं, सहयोगी मानता है, यह चीन की नई सोच है। दोनों नेताओं ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने और सेनाओं के पीछे हटने के समझौते का स्वागत किया है। दोनों नेता मानते हैं कि उनकी सीमाओं पर शांति और स्थिरता रहनी चाहिए। सीमा विवाद निपटाने के लिए विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किए गए हैं। भारत की तरफ से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीन से विदेश मंत्री वांग यी जल्द ही औपचारिक बैठकें शुरू करेंगे। राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा है कि चीन और भारत को एक-दूसरे के प्रति अच्छी धारणा रखनी चाहिए। पड़ोसी होने के नाते सद्भाव से रहने के लिए सही रास्ता खोजने पर काम करना जरूरी है। दोनों का मानना है कि भारत-चीन के संबंध उनके देशों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अहम हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने रेखांकित किया कि परस्पर विश्वास, परस्पर सम्मान और परस्पर संवेदनशीलता के आधार पर ही दोनों देशों के संबंध तय होने चाहिए। लब्बोलुआब यह रहा कि दोनों देश शांति, स्थिरता, सद्भाव, सौहार्द के पक्षधर हैं, लेकिन सवाल है कि क्या ऐसा संभव और व्यावहारिक होगा? अधिकतर राजनयिक और रक्षा विशेषज्ञ बार-बार यह कह रहे हैं कि चीन की फितरत पर भरोसा नहीं करना चाहिए और भारतीय सैनिकों को हरदम सचेत रहना चाहिए। दरअसल भारत 1947 और चीन 1949 में स्वतंत्र हुए। उस दौर में दोनों ही देश समान स्थितियों में थे। 1960, 65,70,80 और 1987 के कालखंडों तक भारत-चीन की अर्थव्यवस्था में कोई खास अंतर नहीं था। हालांकि भारत 23.2 लाख करोड़ रुपए की जीडीपी के साथ चीन की 22.7 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था से आगे था। 1990 के दशक में प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने देश की अर्थव्यवस्था को खोला और आर्थिक उदारीकरण, भूमंडलीकरण का दौर शुरू हुआ। वहीं से चीन ने हमें पीछे करना शुरू किया। चीन ने कृषि का निजीकरण किया। उसे वामपंथी शासन और कायदे-कानूनों से मुक्त रखा। चीन ने गांव-गांव में औद्योगिक जोन बनाए, नतीजतन ग्रामीणों का शहर की ओर पलायन नहीं हुआ। गांव में ही रोजगार का प्रबंध किया गया। भारत में जातियों पर राजनीति चल रही थी और गठबंधन सरकारें बेहद अनिश्चित और अस्थिर थीं।

चीन से समझौता अहम, लेकिन भरोसे की ज्यादा अपेक्षा

गलवान संघर्ष के बाद भारत-चीन दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी, वह बर्फ अब पिघलती-सी प्रतीत हो रही है। दोनों देश रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनाव के बादल अब छंट सकते हैं। सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। लेकिन इस फैसले का अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा, इससे दुनिया की महाशक्तियों के निरंकुशता को नियंत्रित किया जा सकेगा, ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में सफलता मिलेगी। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। इन आशा एवं सकारात्मक दृष्टिकोणों के बावजूद एक बड़ा प्रश्न चीन के पलटूराम नजरिये को लेकर निराश भी करता है। भारत को गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की पूरानी आदत है। उसने अनेक बार भारत के भरोसे को तोड़ा है। पूर्व के अनुभवों से ऐसी आशंकाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र न हो जाये, इसके लिये भारत को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है। भारत-चीन दोस्ती महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि उपयोगी भी है। यह दोनों देशों के हित में होने के साथ दुनिया में शांति, स्थिरता, सौहार्द एवं आर्थिक विकास की भी जरूरत है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोस्ती की तरफ कदम बढ़ाते हुए हाथ मिलाये हैं और सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये टेबल पर बैठे हैं। गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देश निकट आये है, परस्पर वार्ता का गतिरोध दूर हुआ है, दुनिया को कुछ सकारात्मक एवं आशाभरा दिखाने की संभावनाएं बढ़ी है। इस गतिरोध के चलते दोनों देशों के बीच लगातार तनाव एव संघर्ष का माहौल बना रहा है, व्यापारिक गतिविधियां रूक-सी गयी थी, एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में खड़ा कर दिया था। लेकिन अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के निकट आने के घटनाक्रम से एक बड़ा संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं। द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य होने की संभावना बढ़ अवश्य गई है, लेकिन इसमें समय लगेगा, क्योंकि बीते चार वर्षों में चीन ने अपनी हरकतों से भारत का भरोसा खोने का काम किया है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों के बाद विस्तार से वार्ता इसीलिए हो सकी, क्योंकि चीन देपसांग एवं डेमचोक से अपनी सेनाएं पीछे हटाने और सीमा पर निगरानी की पहली वाली स्थिति बहाल करने पर सहमत हुआ। यह एक अच्छा एवं शुभ संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पर शांति की अपेक्षा करते हुए चीन से कहा है कि आपसी विश्वास एवं सहयोग को बढ़ावा देने के साथ एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान किया जाना चाहिए। यह कहना आवश्यक एवं प्रासंगिक था, क्योंकि चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता रहा था। इसका प्रमाण यह है कि वह कभी कश्मीर तो कभी अरुणाचल प्रदेश को लेकर मनगढ़ंत दावे करता रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। चीन पाकिस्तान के उन आतंकियों का संयुक्त राष्ट्र में बचाव करता रहा है, जो भारत के लिए खतरा हैं। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। इसके बावजूद भारत के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने बहुत संयम बरता, भड़काने वाली परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य से काम लिया और बातचीत के जरिये ही मामले का हल निकाला। लेकिन, चिंता कम नहीं हुई है। पिछले साढ़े चार बरसों के दौरान चीनी सेना ने बेहद दुर्गम पर्वतीय इलाकों में पक्के निर्माण कर लिए हैं। आशंका है कि चीन अपने इन सैन्य ढांचागत निर्माण को ध्वस्त कर इलाका पूरी तरह छोड़ देने के लिए तैयार होगा भी या नहीं? ऐसी स्थिति में पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों में सैन्य तनाव और परस्पर अविश्वास की स्थिति बनी रहेगी। भारतीय सामरिक पर्यवेक्षकों के बीच चीन के इरादों को लेकर शक बना रहेगा, क्योंकि हमारे इस पड़ोसी का भरोसा तोड़ने का पुराना इतिहास रहा है। लेकिन देर आये दुरस्त आए की कहावत के अनुसार चीन को भारत से दोस्ती का महत्व समझ आ गया है तो यह दोनों देशों के साथ समूची दुनिया के हित में है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि भी शीघ्र टेबल पर बैठकर भरोसे एवं विश्वास बहाली के उपायों पर चर्चा करेंगे, लेकिन भारत को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि चीन कहीं दो कदम आगे बढ़कर चार कदम पीछे न हट जाये, ऐसा पहले भी हो चुका है। भारत को चीन से संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ने के पहले इसकी पड़ताल करनी चाहिए कि कहीं वह फिर से वैसी हरकत तो नहीं करेगा, जैसी डोकलाम, गलवन, देपसांग आदि में की है। यह ध्यान रहे कि अतीत में चीन ने अपने अति महत्वाकांक्षी एवं अतिक्रमणकारी रवैये को तभी छोड़ा है, जब भारत ने यह जताने में संकोच नहीं किया कि वह बहुपक्षीय सहयोग के ब्रिक्स और एससीओ जैसे संगठनों को अपेक्षित महत्व देने से इन्कार कर सकता है। अब चीन को झुकना उसकी विवशता बन गयी है, क्योंकि उसे यह आभास हुआ कि भारत का असहयोग उसके आर्थिक हितों पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। ऐसा हुआ भी है कि भारत ने चीन को अपने देश में बाजार नहीं बनने दिया, जिसका बड़ा खामियाजा उसे भुगतना पड़ा है। चीन की अर्थ-व्यवस्था में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। निःसंदेह संबंध सामान्य होने से चीन के आर्थिक हित सधेंगे, लेकिन भारत को अपने आर्थिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। वैसे यह उम्मीद करना जल्दबाजी ही होगी कि भारत-चीन सीमा पर जमीनी हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे। क्योंकि भारतीय जमीन पर चीनी सेना के अतिक्रमण की वजह से ही दोनों देशों के रिश्तों में अभूतपूर्व तनाव के कारण दूरियां काफी बढ़ गयी थी। इन दूरियों के दंश को मिटाने में समय, समझ एवं सूझबूझ की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री मोदी एक परिपक्व राजनेता के रूप में पिछले पांच बरसों से राष्ट्रपति चिनफिंग से इसलिए नहीं मिले कि चीन जब तक अपनी सेना पीछे नहीं करेगा, तब तक दोनों की मुलाकात नहीं हो सकती। कजान में हुई बातचीत में जिस तरह रिश्तों को सामान्य बनाने पर जोर दिया गया है, उसके मद्देनजर भारत का जोर इस बात पर भी रहेगा कि एलएसी के पीछे के इलाकों से दोनों देश अपनी सैन्य तैनाती पूरी तरह खत्म कर दें। दोनों देशों को एलएसी पर पूरी तरह परस्पर भरोसे का माहौल कायम करना होगा। भारत के लिए राहत की बात यह है कि देपसांग और डेमचोक पर भी सहमति बनी है। लेकिन भारतीय जनमानस के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि दोनों देशों ने सीमा पर जो 50 हजार सैनिक तैनात कर रखे हैं, उन्हें कब वापस लाया जाएगा? ताजा घटनाक्रम की सफलता एवं सार्थकता तभी संभव है जब एक दूसरे के प्रति आदर, विश्वास, भरोसा और संवेदनशीलता होगी। रूस के कजान शहर में एक अच्छी शुरूआत जरूर हुई है लेकिन आगे का रास्ता तभी खुलेगा जब कुछ हद तक चीन अपना रवैया बदलेगा।

चुनावी मैदान में मशीनी झूठ बेलगाम

चुनाव का दौर झूठ बोलने का मौसम होता है। चुनाव में और भी बहुत कुछ होता है, लेकिन जब चुनाव आते हैं, तो झूठ ही उनका असली सच बन जाता है। यह वह मौसम है, जब सभी लोकतांत्रिक देशों में सच पर परदा डालने की परंपराएं उत्सवपूर्वक निभाई जाती हैं। भारत में इसकी बहार तो हम अक्सर देखते रहते हैं, इन दिनों अमेरिकी चुनाव में जो हो रहा है, उससे भारत समेत दुनिया के तमाम देश बहुत कुछ सीख सकते हैं।

वैसे, इस बात की आशंका बहुत पहले से थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति का अगला चुनाव आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई), यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सहारे ही लड़ा जाएगा। झूठ का उत्पादन भी इसी से होगा और उसके भंडाफोड़ का जरिया भी यही बनेगा। यही हो भी रहा है और बड़े पैमाने पर हो रहा है। एआई को चुनावी झूठ तैयार करने की मशीन बना दिया गया है। जब तक आप पिछले झूठ का सच जान पाते हैं, आपके सामने तब तक सौ नए झूठ आ चुके होते हैं। सबसे बड़ी बात है कि एआई इस काम को इतनी प्रामाणिकता से अंजाम देता है कि लोग सच और झूठ में अक्सर फर्क ही नहीं कर पाते।

इस बार के चुनाव में राष्ट्रपति पद की एक प्रमुख दावेदार कमला हैरिस महिला हैं। महिलाओं को लेकर झूठ बोलना और उनका चरित्र-हनन करना बहुत आसान होता है। अगर आप किसी जहीन महिला को मूर्ख साबित करने की कोशिश करें, तो उसे सही मानने वाले या उस पर चुटकी लेने वाले भी बहुत मिल जाएंगे। अमेरिका में इन दिनों इस सबके लिए एआई का भरपूर इस्तेमाल हो रहा है।

पिछले दिनों एआई से तैयार कमला हैरिस का एक ऐसा वीडियो जारी हुआ, जिसमें वह एक सभा में बेसिर-पैर की बातें कर रही हैं। यह वीडियो इतने अच्छे ढंग से तैयार किया गया था कि शक की कोई गुंजाइश ही न बचे। बहुत से लोग इसके झांसे में आ गए। झांसे में आने वाले इन लोगों में अमेरिका के ख्यात उद्योगपति एलन मस्क भी थे, जिन्होंने इसे सोशल मीडिया एक्स पर शेयर भी किया। एलन मस्क एक्स के मालिक भी हैं और उन्होंने इसे उस समय शेयर किया, जब यह कहा जा रहा था कि सोशल मीडिया को चुनावी झूठ से आम लोगों को बचाना चाहिए। प्रसंगवश यहां इसका जिक्र कर देना जरूरी है कि एलन मस्क कमला हैरिस के प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक माने जाते हैं।

बात सिर्फ इतनी नहीं है। सोशल मीडिया पर आपको कमला हैरिस की बहुत सी ऐसी तस्वीरें मिल जाएंगी, जो नितांत आपत्तिजनक हैं और सब की सब एआई से तैयार की गई हैं। हालांकि, दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भी यह आरोप लगाया जा रहा है कि हैरिस समर्थक उनके खिलाफ तरह-तरह की सामग्री तैयार करके सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। ऐसा हो भी सकता है। चुनावी झूठ की ताली अक्सर एक हाथ से नहीं बजा करती।

इन सबका यह अर्थ नहीं है कि अमेरिकी चुनाव में इन दिनों हर तरफ एआई के झूठ की ही चर्चा है। डोनाल्ड ट्रंप के झूठ अब भी पहले नंबर पर हैं। उन्हें झूठ बोलने की मशीन भी कहा जाता है। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए तो उन्होंने झूठ बोलने के सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले थे। अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट ने तो डोनाल्ड ट्रंप के झूठों का बाकायदा ऑडिट ही कर डाला है। अखबार के अनुसार, अपने चार साल के कार्यकाल में ट्रंप ने 30,573 ऐसी बातें कहीं, जो या तो झूठी थीं या फिर भ्रामक। इसका मतलब है कि हर रोज औसतन 21 झूठ। काश, कोई ऐसा ही ऑडिट भारतीय नेताओं के बयानों का भी करता।

डोनाल्ड ट्रंप अब जब एक बार फिर अमेरिका की सत्ता को दोबारा हासिल करने की कोशिश में जुटे हुए हैं, झूठों का यह सिलसिला रुका नहीं है। अमेरिकी मीडिया के सामने इस समय दो बड़ी चुनौतियां हैं- एक तो वह एआई के झूठ गिने और दूसरी, नेताओं के परंपरागत झूठों का हिसाब रखे। अमेरिकी मीडिया इसे अपने ढंग से कर भी रहा है। पिछले कुछ साल से मीडिया ने वहां एक तरीका अपनाया है, जिसे रियल टाइम फैक्ट चेक कहा जाता है। इसमें जब किसी नेता का इंटरव्यू चल रहा होता है, तो साथ-साथ तथ्यों की जांच भी चल रही होती है कि कौन सा जवाब सही है और कौन सा गलत। इंटरव्यू के दौरान ही नेता के सामने उसके झूठ भी रख दिए जाते हैं। पिछले दिनों उप-राष्ट्रपति पद के लिए डोनाल्ड ट्रंप के सहयोगी जेडी वेंस जब सीबीएन न्यूज की एक बहस में भाग ले रहे थे और उन्हें यह बताया गया कि उनके तथ्य गलत हैं, तो उन्होंने इस तरीके का ही विरोध किया। खुद डोनाल्ड ट्रंप ने इस चैनल के एक कार्यक्रम में सिर्फ इसलिए भाग लेने से मना कर दिया, क्योंकि उसमें फैक्ट चेक का तरीका अपनाया जाता है। पिछले दिनों पत्रकारों के एक समूह को डोनाल्ड ट्रंप ने इंटरव्यू के लिए समय दिया। फिर पता चला कि वे पत्रकार तथ्यों की जांच का काम भी साथ-साथ करेंगे, तो वह इंटरव्यू रद्द कर दिया गया।

अब पार्टी ने जेडी वेंस को यह काम सौंपा है कि वह उन झूठों की तुरपाई का काम करें, जो डोनाल्ड ट्रंप ने बोले हैं। मसलन, चुनाव अभियान के दौरान ट्रंप ने कई बार यह कहा कि ओहियो में हैती के जो प्रवासी रह रहे हैं, वे अपने पड़ोसियों के कुत्ते-बिल्ली तक मारकर खा जाते हैं। जब वेंस से इसके बारे में पूछा गया, तो उनका जवाब था, ट्रंप दरअसल बड़ी संख्या में बाहरी लोगों के आ जाने से जो हालात पैदा हुए हैं, उनकी ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना चाहते थे। अमेरिका में इन दिनों एक और शब्द प्रचलन में आया है- जस्टिफाइड लाई, यानी वाजिब झूठ। ऐसी बात जो झूठ तो है, लेकिन उसे बोलने का कोई वाजिब तर्क है। पोस्ट ट्रुथ एरा या सत्योत्तर काल में झूठ अब कई रंगों और विश्लेषणों में उपलब्ध है।

वैसे, दुनिया के तकरीबन सभी लोकतंत्र चुनावी झूठ की इस समस्या से किसी न किसी तरह जूझ रहे हैं। जब तक चुनाव लड़ने के लिए झूठ का सहारा लेना जरूरी माना जाता रहेगा, झूठ का सिक्का हर चुनाव में चलता रहेगा। तब तक मशीनें भी झूठ बोलेंगी, नेता भी झूठ बोलेंगे और कार्यकर्ता भी झूठ बोलेंगे। समस्या यह है कि चुनाव प्रक्रिया और संपूर्ण राजनीति को झूठ के बोलबाले से कैसे मुक्ति दिलाई जाए, इसे लेकर पूरी दुनिया में कहीं कोई विमर्श नहीं चल रहा।

जम्मू-कश्मीर में नई शुरुआत

उमर अब्दुल्ला ने एक बार फिर जम्मू कश्मीर की कमान संभाल ली है। 2014 में उन्हें पीडीपी के मुफ्ती मोहम्मद सैयद ने अपदस्थ कर दिया था। वैसे कश्मीर में सैयदों की और देसी मुसलमानों की लड़ाई बहुत पुरानी है। मुफ्ती साहिब के इंतकाल के बाद उनकी बेटी सैयदा महबूबा मुफ्ती राज्य की मुख्यमंत्री बन गई थीं। मुफ्ती परिवार का यह राजयोग भाजपा के समर्थन पर टिका था। वैसे यह भी अपने आप में सातवां आश्चर्य ही था कि जनसंघ/भाजपा शुरू से ही स्वदेशी का ही समर्थन करती रही हैं, लेकिन जब कश्मीर में राजसत्ता देने की बात आई तो फैसला सैयदों के हक में दे दिया। इससे राज्य के गुज्जर, दलित और पसमांदा मुसलमान भाजपा से रुष्ट भी हुए थे। लेकिन अब यह पुरानी बात है। वैसे भी हालात कुछ ऐसे बने कि भाजपा ने अपना सहयोग वापस ले लिया। जाहिर है इससे मुफ्ती परिवार के हाथ की लकीरें भी बदल गईं। लेकिन उसके बाद जम्मू कश्मीर में इतना कुछ बदल गया जिसको समझने समझाने में समाजविज्ञानियों को पसीना आने लगा। इतना ही नहीं, पाकिस्तान से लेकर अमेरिका तक में हड़कम्प मच गया। अमेरिका ने बहुत ही चालाकी से भारत को इस मुद्दे पर घेरा हुआ था। दुनिया भर को विश्वास दिला रखा था कि जम्मू कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद का विषय है। इन गोरे लोगों ने चाल इतनी खूबसूरती से चली थी कि भारत में भी बहुत से लोग विश्वास करने लगे थे कि कश्मीर दोनों देशों में विवाद का कारण है। इस भ्रम को बनाए रखने के लिए भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 था ही। कश्मीर घाटी में तो इस मृगमरीचिका का शिकार होकर बहुत से कश्मीरी भी आजादी-आजादी चिल्लाते हुए, पाकिस्तान के साथ जाने के सपने देखने लगे। इसलिए सैयदों की इन अरबी चालों और गोरों की नस्ली चालों को सदा के लिए दफनाने के लिए भारत सरकार ने अनुच्छेद 370 को ही हटा दिया। हडकम्प मचना तय ही था। लेकिन ज्यादा हो-हल्ला तीन डेरों पर ही मचा। पहला डेरा अब्दुल्ला परिवार का था। यह डेरा जम्मू कश्मीर का स्थानीय या लोकल डेरा था। यह ठीक है कि डेरे के पूर्वज कभी अति उत्साह में अरबी शेख बनने चले थे, शायद कश्मीरियों को डराने के लिए ही। लेकिन वे जल्दी समझ गए कि दूसरों के कपड़े पहन कर देवदार को खजूर समझने से मानसिक तनाव ही बढ़ता है, इसलिए वे जल्दी ही नकली शेख की वर्दी उतार कर अपने देसी लोगों में ही शामिल हो गए।

दूसरा डेरा सैयदों का था। वे अभी भी देवदारों पर खजूरें लगने की तरकीबें तलाश रहे थे। तीसरा डेरा उन अलगाववादियों का आकार ले रहा था जिनका नियंत्रण तो एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल) मूल के विदेशी मुसलमानों के हाथ में ही था, लेकिन मजहब के नाम पर उन्होंने कुछ देसी कश्मीरी भी अपने डेरे में बिठा रखे थे। जैसे ही अनुच्छेद 370 खत्म हुआ हड़बड़ाहट में ये तीनों डेरे गुपकार के नाम पर एक साथ रोने लगे। लेकिन इतनी बेसुरी आवाजें निकलीं कि उसमें कश्मीर कहीं सुनाई नहीं दे रहा था। देसी डेरे ने तो अरसा पहले ही अरबी शेख बनने का गैर कश्मीरी रास्ता छोड़ दिया था। वह समय की चाल को भी समझ गया था और समय के महत्व को भी। फिर वह जम्मू कश्मीर का देसी डेरा था, राज्य के देसी मन को कैसे न समझता! अरबी डेरे न तो कश्मीर के मन को समझ पाए और न ही समय की चाल को। यही कारण है कि राज्य के विधानसभा चुनाव में अरबी डेरे उखड़ गए और देसी डेरों ने धमाल मचा दी। जम्मू संभाग में भाजपा ने झंडे गाड दिए और कश्मीर संभाग में अब्दुल्ला परिवार की नैशनल कान्फ्रेंस ने अंगद की तरह पैर जमा दिया। उमर अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री बनना ही था, लेकिन अनुमान इस बात को लेकर लगाया जा रहा था कि विधानसभा में बहुमत हासिल करने के बाद भी क्या वे राज्य के भीतर की देसी अभिलाषा को पढ़ते रहेंगे या फिर विदेशी भाषा की चालों में फंस जाएंगे। उमर के मंत्रिमंडल को देख कर लगता है वे भूतकाल से निकल कर भविष्य के रास्ते पर चलने का निर्णय कर चुके हैं। चुनाव से पहले नैशनल कांन्फ्रेंस ने कांग्रेस से समझौता किया हुआ था। जम्मू संभाग की अधिकांश सीटें राहुल गांधी के हवाले करते हुए उसे उसी का मंत्र भी याद दिला दिया था, जिसकी जितनी संख्या भारी उतनी उसकी हिस्सेदारी। लेकिन राहुल गांधी संख्या लेकर हाजिर हुए महज छह की। उसमें भी पांच लोग तो उमर अब्दुल्ला के इलाके कश्मीर के ही थे और जीते भी नैशनल कान्फ्रेंस की मदद से ही थे। कांग्रेस के प्रधान मल्लिकार्जुन खडगे दिल्ली में बुढ़ापा नृत्य करते रहे कि जम्मू कश्मीर में इंडी गठबंधन जीत गया है, लेकिन उमर ने अपने मंत्रिमंडल में कांग्रेस को शामिल ही नहीं किया। अलबत्ता राहुल गांधी ने यह भ्रम फैलाने की कोशिश जरूर की कि जब तक जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक उनकी पार्टी मंत्रिमंडल में शामिल नहीं होगी। कश्मीर से सकीना इट्टू को मंत्री बनाया गया है। कश्मीर से दूसरे मंत्री जावेद अहमद डार मंत्री बनाए गए हैं।

कार्यक्रम का आयोजन बाबा जनकराम ट्रस्ट संचालित पुस्तकालय में दोपहर 11:30 बजे आयोजित किया जाएगा

कोठी में फूड विभाग के छापे से मचा हड़कंप

कई दुकानों से लिए सैंपल, कई दुकान बंद कर हुए रफू चक्कर

उमेश कुशवाहा | सिटी चीफ

सतना, आज जिले के कोठी में दोपहर अचानक उस वक्त हड़कंप मच गया जब फूड विभाग के अधिकारियों ने अचानक खाद्य दुकानों पर छापा डाला जिससे खाद्य सामग्री बेचने वालों की हकीकत पता चल गई और अपने चंद्र पैसों की लालच में मिलावट युक्त खाद्य सामग्री बेचने वाले दुकानदार अधिकारियों को दुकानों में सैंपल लेते देख कई दुकानदार अपनी शटर गिराकर रफू चक्कर हो गए चाहे वह होटल व्यवसायी हो अथवा किराना कुछ तो अपनी दुकान में रखी सामग्रियों के कारण और कुछ दुकानों में खाद्य सामग्री बेचने का लाइसेंस न होने के कारण, परंतु अब देखने वाली बात यह है कि क्या यह कार्यवाही लगातार जारी रहती है अथवा फिर लिफाफे में पैक रह कर रह जाती है क्योंकि आज जिस प्रकार से कोठी में एक

के बाद एक होटल में खाद्य सामग्रियों का सैंपल लिया गया है चाहे वह बाजार का शिवम स्वीट मार्ट हो या बस स्टैंड का प्रिंस स्वीट मार्ट हो अथवा रिद्धि सिद्धि स्वीट मार्ट सारे नगर में विशेष चर्चा रही है की कोठी में जमकर मिलावट युक्त सामग्रियां बेची जा रही हैं जो आम जनमानस के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है कोठी के जन जागरण मंच के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉक्टर के के मिश्रा ने कहा कि आज कोठी के कई दुकानदारों की हकीकत पता चल गई कि किस प्रकार से लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं कई दुकानदारों को दुकान बंद करते जब मैंने देखा तो मुझे बहुत अफसोस हुआ कि किस प्रकार से अपने चंद्र पैसों की लालच में लोग दूसरे के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं फूड विभाग को इसके लिए लगातार कैंपेन चलाना चाहिए और लगातार दुकानों में दबिस देनी चाहिए और सख्त कार्रवाई भी करनी चाहिए जिससे दुकानदारों में भय बना रहे और वह सही सामग्री बेचें साथ ही साफ सफाई का भी विशेष ख्याल रखें, आज कोठी में खाद्य विभाग की अधिकारी सीमा पटेल अपने स्टाफ के साथ कोठी प्रशासनिक अधिकारी तहसीलदार कमलेश भदोरिया को साथ में लिए कोठी में कई जगह खाद्य के सैंपल लिए जिससे नगर में चर्चाओं का बाजार गर्म रहा तहसीलदार कमलेश भदोरिया जी ने बताया कि त्योहारों का सीजन चल रहा है मिलावट युक्त वस्तुएं बाजार में ना बिके इसके लिए कई जगह सैंपल लिए गए हैं और आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी क्योंकि जिस प्रकार से आज लोगों ने भय के कारण दुकान बंद की है वह संदेहास्पद है निश्चित रूप से लगातार कार्रवाई की जाएगी और अचानक की जाएगी क्योंकि यह मामला आम जन से जुड़ा हुआ है लोग खाने पीने की वस्तुओं का दैनिक उपयोग करते हैं और मिलावट युक्त वस्तुओं के उपयोग से कई प्रकार की बीमारियों से ग्रसित होते हैं लोग भी जागरूक हो एवं दुकानदार भी सही सामग्रियां बेचें जिसके लिए यह अभियान चलाया जाएगा।

बाबा जनकराम ट्रस्ट द्वारा आज मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रदान की जाएगी नगद छात्रवृत्ति

आदित्य द्विवेदी | सिटी चीफ |

भिंड, शिक्षण सत्र 23-24 की दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओ में ज़िलें में सर्वाधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को बाबा जनकराम ट्रस्ट की ओर से नगद छात्रवृत्ति से सम्मान किया जाएगा.आगामी 26 अक्टूबर को एक कार्यक्रम के दौरान चयनित टॉपर्स को ट्रस्ट के द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी.ट्रस्ट के सचिव चंद्रशेखर पचौरी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रति वर्ष दसवीं बोर्ड में प्रथम स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को हर माह एक हजार और बारहवीं के टॉपर्स को ग्यारह सौ रूपये दिए जाते है.

द्वितीय स्थान के लिए सात सौ पसाच व आठ सौ एवं तृतीय स्थान पाने वाले को पांच सौ रूपये प्रदान किए जाते है.यह छात्रवृत्ति 12वीं के प्रत्येक संकाय में दी जाती है. इस वर्ष दसवीं की टॉपर गुनगुन शाक्य (कस्तूरीदेवी उच्चतम माध्यमिक विद्यालय भिंड) गौरव कुमार द्वितीय स्थान(शा. उ.मा. उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक एक भिंड) और तृतीय स्थान के लिए जतिन सिंह (वंडर पब्लिक सेंटर स्कूल मिहोना) की छात्रवृत्ति स्वीकृत हुई है.इसी क्रम में बारहवीं के लिए कला समूह से संदीप सिंह,अंजली बघेल, ख़ुशी शर्मा. विज्ञान गणित समूह से सुमित शर्मा,मोनिका,अनुष्का पाठक, सत्यम राठौर.कॉमर्स से कल्याणी शर्मा,देवांश जैन, आकांक्षा शर्मा. होम साइंस से महक वारसी को दी जाएगी.

पति को पेड़ से बांध पत्नी से गैंगरेप

पिकनिक के लिए निकला था दंपती, वीडियो बनाकर धमकाया भी, पुलिस ने 2 संदिग्धों को पकड़ा

रीवा, जिले में सोमवार को दुष्कर्म की दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है। पांच आरोपियों ने पहले पति को पेड़ से बांधा फिर उसकी पत्नी से सामूहिक दुष्कर्म किया। वारदात गुढ़ थाना के भैरव बाबा क्षेत्र में हुई है। पुलिस का कहना है कि दो संदिग्धों को पकड़ा है। सभी आरोपी जल्द गिरफ्त में होंगे। जानकारी के अनुसार, युवा दंपती पिकनिक मनाने के लिए सोमवार दोपहर भैरव बाबा क्षेत्र गया था। यहां उन्हें देखते ही आरोपियों ने पहले पति के साथ मारपीट की। फिर युवती से ज्यादती की। सभी आरोपी नशे में थे। आरोपियों ने सामूहिक दुष्कर्म का वीडियो भी बनाया। दपंती को धमकी भी दी कि केस दर्ज कराया तो इसे वायरल कर देंगे। पीड़ित दंपती ने मंगलवार को मामला दर्ज कराया है। दंपती कॉलेज में पड़ते हैं। हाल ही में उनकी शादी हुई है। डीएसपी हेड क्वार्टर हिमाली पाठक ने बताया कि

महिला के साथ हैं गैंगरेप की घटना सामने आई है। पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की पड़ताल की जा रही है।

कांग्रेस का आरोप... और पुलिस की सफाई:-कॉन्क्लेव पर पुलिस का फोकस, केस दबाए रखा, कांग्रेस का आरोप है कि सोमवार को हुई इस घटना के बाद पीड़ित दंपती थाने के चक्कर लगाता रहा। लेकिन पुलिस प्रशासन का पूरा फोकस बुधवार को रीवा में आयोजित रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव पर था। इसलिए इस मामले को दबाए रखा। तत्काल केस दर्ज किया, आरोपियों को भी पकड़ेंगे-एसपी विवेक सिंह का कहना है कि घटना 21 अक्टूबर की दोपहर में हुई है। पीड़िता 22 अक्टूबर की दोपहर थाने पहुंची। पुलिस ने तत्काल केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने 50-60 संदिग्धों को राउंडअप किया था, इनमें दो प्राइम सस्पेक्ट लग रहे । आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कांग्रेस उपभोक्ता संरक्षण प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

शुद्ध के लिए युद्ध का अभियान एवं आगामी कार्यक्रम की बनी रूपरेखा

सतना, जिले के सनशाइन होटल में कांग्रेस उपभोक्ता संरक्षण प्रकोष्ठ जिला सतना की कार्यकारिणी बैठक संपन्न हुई एवंआगामी कार्य योजना एवं शुद्ध के लिए युद्ध के अभियान की रूपरेखा बनाई गई, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपभोक्ता संरक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रवक्ता एवं सतना लोकसभा प्रभारी बृजेश गर्ग सोनू की अध्यक्षता एवं जिला अध्यक्ष सतना शशांक सिंह बघेल के नेतृत्व में प्रदेश पदाधिकारी एवं जिला तथा ब्लॉक पदाधिकारियों की मौजूदगी में अहम बैठक का आयोजन किया गया जिसमें ब्लॉक एवं जिला कार्यकारिणी के विस्तार की चर्चा विस्तार से की गई एवं प्रदेशव्यापी शुद्ध के लिए युद्ध के अभियान की रूपरेखा बनाई गई बृजेश गर्ग सोनू ने कहा कि आज सभी व्यक्ति उपभोक्ता हैं और आज सभी मिलावट युक्त परिवेश में अपना जीवन गुजार रहे हैं एवं जागरूकता की अभाव में कई प्रकार की गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं मिलावट युक्त वस्तुओं का दैनिक उपयोग करने से कई प्रकार की समस्याएं आ रही हैं लोगों को पता ही नहीं चल पा रहा कि कब कौन सी बीमारी हो गई जिसका मुख्य कारण है कि

जागरूकता का अभाव एवं मिलावट युक्त वस्तुओं का उपयोग करना,हमारा नैतिक दायित्व एवं जिम्मेदारी बनती है कि हम लोगों को इससे बचाए ताकि लोग खुशहाल जीवन जी सके क्योंकि हमारे भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने उपभोक्ताओं के हित के लिए उपभोक्ताओं को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत छह प्रकार के अधिकार प्रदान किए थे जिन्हें हमको गांव-गांव में रह रहे अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचना है जिससे हर व्यक्ति जागरूक हो सके इसके लिए हमारे ब्लॉक की टीम मंडलम सेक्टर एवं ग्राम समितियों का गठन कर कैंप एवं सिविर लगाकर एवं नुक्कड़ सभा कर लोगों की जागरूकता के लिए काम करना है जिससे कि हम अधिक से अधिक जनमत संग्रह कर सकें और कांग्रेस की रीति एवं नीतियों को सभी तक पहुंचा सके आज भाजपा राज में चारों तरफ हाहाकार मचा है चाहे वह किसी भी विषय में हो, साथ ही आगामी दिवस पर होने वाले शुद्ध के लिए युद्ध के अभियान की शुरुआत की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई एवं सभी को जिम्मेदारियां दी गई इसके साथ-साथ अन्य प्रदेश एवं जिला के पदाधिकारियों ने भी अपनी अपनी राय रखी और संगठन को मजबूत बनाए जाने पर चर्चा की इस दौरान बैठक में मुख्य रूप से सतना लोकसभा प्रभारी एवं प्रदेश प्रवक्ता ब्रजेश गर्ग सोनू जिला अध्यक्ष शशांक सिंह बघेल , प्रदेश संगठन मंत्री श्री अरुण सिंह गहरवार , श्री जगन्नाथ शर्मा, जिला महामंत्री जनपद सदस्य श्री विनोद कुशवाहा , जिला उपाध्यक्ष अनिल प्रताप सिंह बैश , डॉक्टर विजयराज सिंह , गजेन्द्र सिंह , जिला महासचिव उमेश सिंह पप्पू जिला संगठन मंत्री अमन दीप सिंह बग्गा , जनपद सदस्य धीरेंद्र सिंह, जनपद सदस्य सीमा मनीष बागरी,कृष्णभान सिंह ,जिला सचिव केशव सिंह , त्रिलोकी सिंह , तिलकराज सिंह ,जिला मंत्री धीरेंद्र सोनी , जिला मीडिया प्रभारी शांतनु त्रिपाठी , विधानसभा अध्यक्ष नागौद शिवांशु समदरिया रिशु , विधानसभा अध्यक्ष रैगांव रुपेश बागरी , विधानसभा अध्यक्ष रामपुर संजय सिंह खरवाही ,ब्लॉक अध्यक्ष सोहावल शक्ति सिंह जिला सह सचिव रामलखन मिश्रा , ब्लॉक अध्यक्ष अनुज सेन , श्री विनय सिंह परिहार , मनिंदर सिंह जीतू , *आदित्य वाजपेयी , कैलाश प्रसाद खरवाही सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे

कटनी के बरगवा में इलेक्ट्रॉनिक दुकान में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

फायर ब्रिगेड ने बुझाई आग, 2 घंटे बाद पाया गया काबू

सुनील यादव | सिटी चीफ

कटनी, कटनी जिले के रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र बरगवा स्थित एक इलेक्ट्रानिक दुकान के तीसरी मंजिल स्थित गोदाम में आग लग गई जिसकी सूचना मिलते ही मौके पर 3 फायर ब्रिगेट की गाड़ी पहुंच गई और 2 घंटे की कड़ी मस्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

दुकान मालिक ने बताया कि तारा चंद जैन ने बताया कि यह दुकान डिजिटल जोन के नाम से इलेक्ट्रानिक दुकान संचालित है और इस दुकान ने कुलर फ्रिज ओर अन्य इलेक्ट्रानिक सामग्री दुकान के तीसरी मंजिल पर रखे हुए थे और अचानक इस गोदाम में आग लग गई जिसकी सूचना उन्होंने तुरंत ही फायर ब्रिगेट को दी। फायर ब्रिगेट के अधिकारी शैलेंद्र दुबे ने बताया कि उन्हें जैसे ही इस आग की सूचना मिली वह तुरंत ही आपी टीम के साथ 3 फायर ब्रिगेट की गाड़ी लाई गई और 2 घंटे की कड़ी मस्कत के बाद आग पर काबू पाया गया वही फायर अधिकारी ने यह भी बताया कि यह आग शॉर्ट सर्किट के वजह से लगी हुई थी।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार पहुंचे कटनी

बीजेपी जिला पदाधिकारियों से की मुलाकात, कटनी सर्किट हाउस में करेंगे विश्राम

सुनील यादव | सिटी चीफ |

कटनी, प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार कटनी जिले में अल्प प्रवास पर पहुंचे। उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार सबसे पहले तिलक कॉलेज और महिला महाविद्यालय के प्रधानाचार्य के साथ चर्चा की वही बीजेपी के जिला पदाधिकारियों से मुलाकात की।

मंत्री इन्दर सिंह परमार ने पत्रकारों के सवाल की कटनी जिला के साथ मध्यप्रदेश में माइनिंग के कारोबार है और वही उच्च शिक्षा में इस विषय को अभी तक जोड़ा नहीं गया है। इसके लिए सरकार क्या कर रही है जिस पर उन्होंने ने कहा कि यदि इसकी जरूरत पड़ेगी तो सर्वे करा जरूर इस विषय को उच्च शिक्षा में जोड़ा जाएगा। वही पत्रकारों ने जब यह पूछा कि कटनी जिले में दो शासकीय महाविद्यालय है जहां अधिक संख्या में छात्राओं को सप्लीमेंट्री आई है इसकी वजह क्या है। इस सवाल पर मंत्री जी ने कहा कि छात्र छात्राओं को पूरा अधिकार है कि वे सभी अपनी परीक्षा की कॉपी खुलवा कर देख सकते है और यदि उसमें त्रुटि होगी तो जरूर कोई न कोई समाधान निकला जाएगा। वही स्श्क के सरकारी शिक्षा को दुनिया के बेस्ट खिताब के मामले में मंत्री जी ने कहा कि 2020 से ही सरकार शिक्षा से सुधार लाने का प्रयाय करती आ रही है। और यही परिणाम सामने आया है। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उच्च शिक्षा मंत्री कार द्वारा व्हाया शाहनगर होते हुए पन्ना में आयोजित श्रमजीवी पत्रकार सम्मेलन के लिए प्रस्थान किया।

बाढ़ पीड़ितों को मुआवजा न मिलने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट में किया धरना

ढीमरखेड़ा के बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों ने की मुआवजे की मांग, दीपावली न मनाने का लिया संकल्प

सुनील यादव | सिटी चीफ |

कटनी, कटनी जिले के ढीमरखेड़ा विकासखंड अन्तर्गरत ग्राम पंचायत पिपरिया शुक्ल जो बाढ़ ग्रसित रहा है,और ग्रामणी बाढ़ से प्रभावित हुए और आज तक इन्हें उचित मुआवजा तक न मिला। जिसको लेकर आज ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने एक दिवसीय धारणा देते हुए अधिकारियों को ज्ञापन देते हुए मांग की है कि उन्हे मुआवजे की राशि दी जाए। वही इन ग्रामीणों का साथ देने समाज सेवी ए के खान भी जंजीर पहने हुए ग्रामीणों के साथ नारेबाजी करते हुए दिखाई दिए। वही ग्रामीणों ने दीपावली त्यौहार को भी मनाने से मना कर दिया है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया कि अनेको बार सर्वे कराया गया लेकिन आज दिनांक तक उनके पास मुआवजे की राशि नहीं पहुंची वहीं ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राम के रोजगार सहायक सचिव मुआवजा देने के नाम बाढ़ पीड़ितों से रकम तक वसूले है, ऐसे अनेक गम्भीर आरोप ग्रामीणों ने लगाया जिसका आज तक जिला प्रशासन ने कोई सुध नही लिया। जिससे आक्रोशित ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुँच कर धरना देकर न्याय की मांग कर रहे है और विकासखंड में पदस्थ लापरवाह अधिकारियों के निलंबन की माँग की। वही ग्रामीणों ने हिन्दू धर्म का एक बड़ा हिन्दू पर्व दीपावली नही मनाने की बात भी कही।

कोतवाली पुलिस ने अवैध नशीली कफ सिरप तस्करी के फरार चल रहे आरोपी के घर पर मारी रैड

नशे में प्रयुक्त होने वाली प्रतिबंधित मेडिसिन नाईट्राजीपाम 1840 नग टेबलेट की बड़ी खेप जप्त

यशपाल सिंह जाट | सिटी चीफ |

अनुपपुर, पुलिस अधीक्षक अनुपपुर श्री मोती उर रहमान द्वारा जिले में नशे में उपयुक्त होने वाली कोडीनयुक्त कफ सिरप के स्मगलिंग एवं अवैध व्यापार में लगे अपराधियो की पतासाजी कर कोतवाली पुलिस द्वारा कार्यबाही कराई गई, जिसमे सतना जिले से स्मगलिंग करके मारुति कार से अनूपपुर लाई जा रही 271 नग शीशी अवैध मादक पदार्थ कोडीन युक्त ह्हत्र्क्ष्ध्ङ्ग कफ सिरप किमती 108400 रुपये जप्त की जाकर आरोपी अविनाश विक्टर निवासी वार्ड न. 09 अनूपपुर एवं अंकित द्विवेदी निवासी बार्ड न. 13 पुरानी बस्ती अनूपपुर को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है एवं फरार हुए आरोपी कमल राठौर उर्फ दरोगा निवासी बर्री एवं रवि शंकर पांडे निवासी अनूपपुर की पुलिस टीम द्वारा तलाश की जा रही है।

गुरुवार कि रात्रि थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन, उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार साहू, सहायक उप निरीक्षक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, प्रधान आरक्षक 29 शेख रसीद एवं महिला आरक्षक उषा सिंह की टीम द्वारा फरार चल रहे आरोपी कोमल उर्फ दरोगा राठौर के ग्राम बर्री स्थित घर पर रेड की गई एवं मौके पर मौजुद मिले फरार आरोपी के पिता श्यामलाल राठौर पिता शुद्ध राठौर उम्र करीब 58 साल निवासी ग्राम बर्री के कब्जे से नशे में उपयुक्त होने वाली प्रतिबंधित नाईट्राजीपाम टेबलेट कीमती 18000 रुपये जप्त की जाकर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्र. 465/24 धारा 8 क्क 21 /22 एनडीपीएस एक्ट एवं 5/13 म.प्र. ड्रग कन्ट्रोल एक्ट पंजीबद्ध कर श्यामलाल राठौर पिता शुद्ध राठौर उम्र करीब 58 साल को गिरफ्तार किया गया है।

ग्राम बांदरी को टीबी मुक्त पंचायत का प्रशस्तिपत्र प्रदान किया गया

लाकेश पंचेश्वर | सिटी चीफ बालाघाट / लालबर्रा, 22 अक्टूबर को जिला पंचायत बालाघाट में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अवार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लालबर्रा अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बांदरी को राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन (एनटीईपी) कार्यक्रम 2023 के तहत टीबी मुक्त घोषित किया गया है जिसके लिए ग्राम पंचायत बांदरी के सरपंच व्यंकट राहंगडाले को जिला पंचायत सीईओ,जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार तथा सभापति केशर बिसेन के हाथों टीबी मुक्त ग्राम पंचायत का प्रशास्तिपत्र प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से कराए गए सर्वे में इस ग्राम पंचायत में प्रति एक हजार की जनसंख्या पर कोई भी टीबी का मरीज नहीं मिला है। गौरतलब है कि देश को 2025 तक टीबी मुक्त करने का लक्ष्य हासिल करने के लिए 2023 में टीबी मुक्त पंचायत अभियान की शुरुआत की गई थी। इसके तहत क्षय रोग व जिला पंचायती राज विभाग मिलकर कार्य करते हैं। विभागों की ओर से गांवों में घर-घर सर्वे कराकर मरीजों की पहचान की जाती है और फिर उनका इलाज शुरू किया जाता है।टीबी मुक्त ग्राम पंचायत का उद्देश्य टीबी रोग के बारे में जागरूकता पैदा करना, टीबी का शीघ्र निदान और उपचार, टीबी का पता लगाने को बढ़ावा देना और टीबी रोगियों और उनके परिवारों को सहायता प्रदान करना है।

राज्य मंत्री एवं कलेक्टर ने ग्राम पथरौडी में आयोजित जिला स्तरीय जनकल्याण शिविर में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

समाज के अंतिम छोर में बैठे व्यक्ति को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु सरकार प्रतिबद्ध- कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि समाज के अंतिम छोर में बैठे व्यक्ति को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु सरकार प्रतिबद्ध है। जिले में किसी उद्देश्य के पूर्ति हेतु जिला स्तरीय राजस्व एवं जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जिससे शासकीय योजना के लाभ से वंचित हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया जा सके तथा ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण किया जा सके। राज्य मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने दो बार विशेष राजस्व अभियान चलाकर राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया है और जो प्रकरण अभियान के अंतर्गत छूट गए हैं, उनका निराकरण इन शिविरों के माध्यम से किया जा रहा है। प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री दिलीप जायसवाल आज जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पंचायत पथरौडी में आयोजित जिला स्तरीय राजस्व एवं जनकल्याण शिविर को संबोधित कर रहे थे। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री जायसवाल ने कहा कि हमारा भारत आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करने तथा हमारे देश को विश्व गुरु एवं सोने की चिड़िया वापस बनाने का सपना देख रहे हैं, परंतु यह सपना साकार सिर्फ सरकार अकेले पूरा नहीं कर सकती उसमें सभी नागरिकों की बराबर सहभागिता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दीपावली के दूसरे दिन हम गोवर्धन पूजा करते हैं। जिसमें हम गौ माता की पूजा करते हैं, उन्होंने कहा है कि जिले में ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए जिससे हाईवे एवं सड़कों पर जो गौ माता बैठी रहती हैं, वह दुर्घटनाग्रस्त ना हो सके।

जिले में ऐसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित किया जाए, जिससे गौ वंश का संरक्षण एवं संवर्धन किया जा सके। जिले के जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पथरौडी में आज जिला स्तरीय राजस्व एवं जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल एवं कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने ग्राम पंचायत पथरौडी सहित नगरीय निकाय कोतमा तथा ग्राम पंचायत कल्याणपुर, गोहन्ड्रा, चंगेरी, पैरीचुआ, बसखली, ठोड़हा के ग्रामीणों के आवेदन प्राप्त करते हुए समस्याएं सुनी तथा समस्याओं के त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभाग के विभागीय अधिकारियों को दिए। शिविर में 267 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से अधिकांश आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा शेष आवेदनों के निराकरण हेतु समय सीमा निर्धारित करते हुए कलेक्टर ने समय सीमा में आवेदनों के निराकरण संबंधी निर्देश विभाग के अधिकारियों को दिए। शिविर में एसडीएम कोतमा श्री अजीत तिर्की, जनपद पंचायत कोतमा के सीईओ श्री एल.बी. वर्मा, तहसीलदार श्री ईश्वर प्रधान, ग्राम पंचायत पथरौड़ी की सरपंच श्रीमती सोमवती सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे। शिविर में विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में कृषि विभाग, ऊर्जा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग, पशुपालन विभाग, मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन, राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, शिक्षा विभाग, जल संसाधन विभाग सहित अन्य विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाए गए थे। जिनके माध्यम से ग्रामीणों को शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री श्री दिलीप जायसवाल एवं कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने 10 हितग्राहियों को राशन पर्ची एवं 10 हितग्राहियों को मसूर दाल बीज के पैकेट का वितरण किया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग और आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का मौके पर आयोजन किया गया, जहां लगभग 92 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गई।

01 जनवरी 2025 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा बनवाएं अपना वोट

Voter Help Line App करें डाउनलोड, मतदाता सूची में देखें अपना नाम

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर अर्चना द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में फोटोयुक्त विधानसभा निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 हेतु जनपद के राजनैतिक दलों से सहयोग प्राप्त करने के प्रयोजन से बैठक आहूत की गयी। डॉक्टर अर्चना द्विवेदी ने कहा कि प्रत्येक अर्ह नागरिक को अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराना चाहिये। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और इसकी मजबूती के लिये आवश्यक है कि मतदाता सूची में अधिक से अधिक लोगों को शामिल किया जाए। कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित नहीं रहना चाहिये साथ ही साथ यह भी ध्यान रखा जाए कि कोई भी अर्ह बालिका व महिला न छूटने पाए।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने बताया कि जनपद में संचालित विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत एकीकृत आलेख्य निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन 29 अक्टूबर को किया जाएगा। 29 अक्टूबर से 28 नवंबर तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त किये जाएंगे, इसके साथ ही 09, 10, 23 एवं 24 नवम्बर को विशेष अभियान की तिथियां निर्धारित की गयी है। 24 दिसम्बर तक दावे व आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 06 जनवरी 2025 को किया जाएगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी ईआरओ सुनिश्चित करें कि कोई भी बीएलओ अनुपस्थित न रहे। वर्तमान मतदाताओं को जागरूक करते हुए व व्यापक प्रचार-प्रसार कराते हुए मै हूँ ना अभियान का

संचालन किया जाए। जनपदवासियों को वोटर हेल्पलाईन एप के बारे में जानकारी देते हुए उन्हे अपने मोबाइल फोन में यह एप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित करें। समस्त अर्ह नागरिक निर्वाचक नामावली में पंजीकृत हो जाएं एवं निर्वाचक नामावली में दर्ज नाम, पता, लिंग, आयु एवं अन्य प्रविष्टियों में विद्यमान त्रुटियों को दूर कर दिया जाए। डॉ0 द्विवेदी ने बताया कि ऐसे नागरिक जो 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के हो या हो जायेंगे और उनका नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज नहीं तथा वह भारत के नागरिक है और उस स्थान के सामान्य निवासी है, वह अपना नाम दर्ज कराने हेतु प्रारूप-6 पासपोर्ट साईज फोटो, पते व उम्र सर्टिफिकेट सहित, नाम को सम्मिलित करने एवं हटाने के प्रस्ताव के लिए के लिए आक्षेप हेतु प्रारूप-7, नाम में संशोधन हेतु प्रारूप-8 में आवेदन आलेख्य प्रकाशन अवधि में संबंधित बीएलओ अथवा अपने मतदान केन्द्र पर पदाभिहित अधिकारी को दे सकते है। अपर जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि इस कार्य में निरंतर जनप्रतिनिधियों से संवाद करते रहें। उन्होंने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से आव्हान किया कि वह अपने स्तर से बूथ लेबिल एजेन्ट नियुक्त कर सूची निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करादें। उन्होने कहा कि छूटे हुए पात्र एवं अर्ह मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि विशेष पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ इस बात का भी ध्यान रखें जिन मतदाताओं विशेषकर बालिकाओं की शादी के उपरान्त दूसरे स्थान पर वोट बन जाता है उनका नाम मतदाता सूची से अपमार्जित कराएं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार से किसी मतदाता की मृत्यु हो जाने उसका मृत्यु प्रमाण-पत्र प्राप्त करके अथवा अन्य स्थान पर प्रवास करने पर सत्यापन के उपरान्त ही उसका नाम सूची से हटाया जाए। बैठक में जिलाध्यक्ष बीजेपी महेन्द्र सैनी, सपा से चौधरी अब्दुल गफूर, जिलाध्यक्ष अपना दल राजकुमार पंवार सहित अन्य राजनैतिक दलों के पदाधिकारी, सिटी मजिस्ट्रेट गजेंद्र कुमार, उपजिलाधिकारी सदर अंकुर वर्मा, उपजिलाधिकारी बेहट मानवेंद्र सिंह, अपर उप जिलाधिकारी सुरेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के संरक्षण में चल रहे झोला छाप डाक्टरों के अवैध क्लिनिक

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनुपपुर, अनुपपुर जिले में झोला छाप डाक्टरों की बहुत लंबी लिस्ट है जिसमें जैतहरी जनपद पुष्पराजगढ़ जनपद अनुपपुर जनपद एवं कोतमा जनपद मिला कर लगभग 200 अवैध क्लिनिक संचालित हो रहे है जिसमें जैतहरी जनपद अंतर्गत खूंटा टोला ग्राम में बंगाली बहुत ही चर्चित झोलाछाप डॉक्टर है जिसकी जो निसंकोच बिना किसी डर के खूंटा टोला मैं रोड पर ही

अपने अवैध क्लिनिक का संचालन कर रहा है इसके पास दवाइयों का भी बहुत अधिक मात्रा में स्टॉक रहता है उसमे कई ऐसी दवाएं सम्मिलित है जो अब प्रतिबंधित है बंगाली डाक्टर सबके सामने ये स्वीकार भी करता है कि उसके पास कोई वाजिब डिग्री नहीं है और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अवधिया जी से उसकी सेटिंग है वो हर माह अवधिया जी को मोटी रकम रिश्वत के तौर पर देता है उसका कहना रहता है कि उसके क्लिनिक पर कोई कार्यवाही नहीं होगी और ये कही न कही सत्य भी है क्यों कि बार बार खबर प्रकाशन करने और मुख्य

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को बंगाली के अवैध क्लिनिक के बारे में जानकारी देने के बावजूद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बंगाली के क्लिनिक झांकने भी नहीं जाते तो कार्यवाही तो दूर की बात हो गई इतना ही नहीं जब मुख्यमंत्री जी के आदेश के बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा कई अवैध क्लिनिक में छापे मार कार्यवाही हुई तब भी बंगाली का क्लिनिक संचालित हो रहा था।

सिर्फ बंगाली ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अवधिया जी के संरक्षण में नहीं चल रहा इसके अलावा भी कई अवैध क्लिनिक इनके संरक्षण में चल रहे है जिनके नाम इस प्रकार है = बंगाली खूंटा टोला , गणेश प्रजापति का क्लिनिक निगवानी, गोपाल मेडिकल यादव क्लिनिक पौड़ी , मायो क्लिनिक सिवनी जैतहरी एवं अन्य इसी प्रकार लगभग दो सौ अवैध क्लिनिक संचालित हैं हम अगर इनमें से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अवधिया जी की सेटिंग वाले सिर्फ दस को ही मान ले तो भी अवधिया जी की इनसे मोटी रकम रिश्वत की होती है इसीलिए तो अवधिया जी इन पर कार्यवाही करना ही नहीं चाहते।

जिलाधिकारी ने बैठक कर सीएम डैशबोर्ड के विकास कार्यों की समीक्षा की

फैमिली आईडी के कार्य में संबंधित सभी विभाग लाएं तेजी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि दिव्यांगजन, प्रोबेशन एवं समाज कल्याण अधिकारी ब्लॉक पर बीडीओ के माध्यम से सचिवों के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित कराएं कि उनसे संबंधित सभी लाभार्थियों की फैमिली आईडी बन जाए। पेंशन के ऐसे लाभार्थी जिनके राशन कार्ड नहीं है जिला पूर्ति अधिकारी उनका राशन कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने उप निदेशक कृषि को निर्देश दिए कि ऐसे कृषक जो किसान सम्मान निधि का लाभ ले रहे है और जिनका राशन कार्ड नहीं है उनकी सूची तैयार कर फैमिली आई डी बनवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि फैमिली आईडी से संबंधित सभी विभाग लक्ष्य के अनुरूप कार्य में तेजी लाएं। डीएम मनीष बंसल ने जिला कार्यक्रम अधिकारी की खराब कार्यशैली पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए उनका वेतन रोकने के साथ ही कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को आगामी बैठक में विभाग से संबंधित योजनाओं की पूर्ण जानकारी सहित पोर्टल पर आंकड़ों की सही फीडिंग कराने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देश दिए

कि नवम्बर माह में होने वाली निपुण परीक्षा के लिए बच्चों की बेहतर से बेहतर तैयारी कराएं। उन्होंने डीसी एनआरएलएम के कार्य पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि विकासखण्डवार बैंकों को भेजे गये ऋण संबंधी आवेदनों का रजिस्टर तैयार करें। जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित हो रही रैंकिंग पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सख्त निर्देश दिए कि खराब रैंकिंग वाले विभाग अपनी कार्यप्रणाली में तत्काल सुधार लाएं अन्यथा कार्यवाही के लिए तैयार रहें। सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपनी विभागीय प्रगति की रिपोर्ट सीएम डैशबोर्ड पर माह के अन्त तक अनिवार्य रूप से फीड कराना सुनिश्चित करें एवं अधिकारी स्वयं उसकी मॉनीटरिंग करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, डीएफओ शुभम सिंह, पीडी डीआरडीए प्रणय कृष्ण, डीसी एनआरएलएम इंद्रपाल सिंह, डीएसटीओ अमित कुमार सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में राज्यमंत्री, विधायक एवं जिलाधिकारी ने 18 नव चयनित अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र

आमजन के प्रति सौम्य व्यवहार रखते हुए ईमानदारी एवं मेहनत से करें कार्य – राज्यमंत्री जसवंत सैनी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत 1526 ग्राम पंचायत अधिकारी, 360 ग्राम विकास अधिकारी समाज कल्याण एवं 64 समाज कल्याण पर्यवेक्षकों को नियुक्त पत्र प्रदान किए। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम को कलेक्ट्रेट सभागार में एलईडी के माध्यम से देखा और सुना गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री संसदीय कार्य और औद्योगिक विकास जसवंत सैनी, विधायक गंगोह किरत सिंह और जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा जिले के चयनित 17 ग्राम पंचायत अधिकारी एवं 01 समाज कल्याण पर्यवेक्षक को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। राज्यमंत्री संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास जसवंत सैनी ने नव चयनित ग्राम पंचायत अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान में सभी को योग्यता के आधार पर रोजगार मिल रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि नव चयनित युवा अपने विभागीय दायित्वों का बखूबी निर्वहन करेंगे और अपने दायित्वों को निष्पक्षता के साथ पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से निभाएंगे। अपनी मेहनत और ईमानदारी से क्षेत्र में अपनी पहचान स्थापित करें। आमजन के प्रति सौम्य व्यवहार रखें। सरकार की मंशा के अनुसार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्रों तक पंहुचाने के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि पूरी निष्पक्षता, शुचिता एवं पारदर्शिता पूर्ण तरीके से नियुक्ति की गई है। सरकार द्वारा बिना किसी भेदभाव के परीक्षाओं का आयोजन एवं अभ्यर्थियों का चयन किया जा रहा है। विधायक गंगोह किरत सिंह ने ग्राम पंचायत अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि जिस तरह आप लोगों को निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ नियुक्ति मिली है उसी प्रकार पात्रों को निष्पक्षता एवं पारदर्शिता से ही योजनाओं का लाभ दें। कार्यकुशलता एवं प्रतिबद्धता के साथ बिना भेदभाव के कार्य करें। उन्होने कहा कि वर्तमान सरकार में पूर्ण पारदर्शिता के साथ बिना किसी भेदभाव के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने नव नियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देने के साथ ही उन्हे कर्तव्यबोध कराते हुए कहा कि अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए संवेदनशीलता एवं मेहनत के साथ कार्य करने को कहा। अपने शुरूआती कार्यकाल में उत्सुकता के साथ कार्य करें। समस्या आने पर अपने वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन लें। कलेक्ट्रेट सभागार में नितिन कुमार, शुभम चौहान, तुषार अग्रवाल, रजत प्रताप सिंह, कु0 वर्षा रानी, सचिन कुमार पाल, कु0 राखी, कु0 हिमानी, विशाल पंवार, सारिका, अनुराधा, संजय कुमार, अर्जुन सिंह एवं अजय कांत को नियुक्ति पत्र वितरित किए गये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, उप निदेशक पंचायत हरिकेश बहादुर, जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक कुमार शर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी अर्चना समेत अन्य संबंधित विभाग के अधिकारीगण और चयनित अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

स्वस्थ और सुखद जीवन के लिए आयुर्वेद को अपना ही होगा

साईं धाम नानपुर में वृहद आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक शिविर का हुआ आयोजन

अलीराजपुर/नानपुर– अच्छे स्वास्थ्य और सुखद जीवन के लिए हमें अपनी दिनचर्या में बदलाव लाकर के भारतीय परंपरा अनुसार आयुर्वेद को अपना कर अपनी जीवन शैली और अपने स्वास्थ्य को दीर्घायुता प्रदान कर सकते है ..डॉक्टर वि एस बघेल (आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी) जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र सिंह वास्कले के मार्गदर्शन में आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुश सेजगांव जिला अलीराजपुर ने साईं मंदिर स्थित सेवा सदन में एक सफल आयुर्वेद और होम्योपैथिक शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में 203 मरीज ने पंचकर्म से लगाकर निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श, दवाइयां, उपचार एवं सुलभ जीवन का मार्गदर्शन प्राप्त किया। खंडवा बड़ौदा हाइवे मुख्य मार्ग में लगे इस शिविर में अलीराजपुर, खट्टाली, जोबट , डही,कुक्षी,आम्बुआ सहित आसपास के ग्रामीण बंधुओ ने आयुर्वेदिक पर विश्वास करते हुए इस शिविर में अपना उत्साह दर्शाया। साईं सेवा समिति द्वारा प्रायोजित इस शिविर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की मंशा अनुरूप आरोग्य भारत की परिणिति स्वरूप सेजगांव आरोग्य धाम और जिला आयुष विभाग द्वारा आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने आयुर्वेद और होम्योपैथी पर अपना विश्वास जताया। सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित शिविर में 203 से अधिक लाभार्थियों द्वारा अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और उपचार उपस्थित विशेषज्ञों के बीच में साझा करी। आयुष अधिकारी द्वारा प्रतिमाह एक निश्चित दिनांक को कलेक्टर के मार्गदर्शन अनुसार शिविर आयोजित करने की स्वीकार्यता प्रधान करी। इस अवसर पर डॉक्टर जितेंद्र मकवाना, डॉक्टर वी एस बघेल , डी एस खरत ,डॉक्टर हितेश सोलंकी और डॉक्टर गौरव सिंह चौहान ने बीपी और शुगर की जांच के साथ-साथ संधिवात ,आम वात उदर रोग चर्म विकार और अम्लपित्त जैसी बीमारियों के साथ वरिष्ठ जनों की पीड़ा निदान का निशुल्क उपचार और दवाइयां प्रदान की। इस अवसर पर आयुर्वेद और होम्योपैथी के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि और आए हुए लाभार्थियों द्वारा प्रदर्शित भावना को प्रतिमाह शिविर में लाभ दिए जाने का आश्वस्त दिया। शिविर में सहयोगी स्टाफ जन धुंदर सिंह भिड़े, आशीष जोशी, छगन डावर,किशोर चौहान सभी कंपाउंडर एवं दवा साथ धनसिंह डुडवे, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता इडली भिंडे ,केसरी रावत का सहयोग रहा। साई सेवा समिति के देवेंद्र वाणी ने कहा कि यह आयोजन न केवल स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का माध्यम था बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का एक अनूठा अवसर भी था ,इस माध्यम से सेवा सदन में सेवा की अवधारणा ग्रामीण लोगों में पहुंचेगी और आयुर्वेद के प्रति विश्वास पैदा होगा। समिति के प्रदीप क्षीरसागर ने कहा कि हम अपने समुदाय के स्वस्थ भविष्य की दिशा में इसी तरह के और भी चिकित्सा शिविर नियमित यहां आयोजित किए जाने के प्रति संकल्पित हैं। अंत में सभी आयुर्वेद और होम्योपैथिक चिकित्सकों और समिति के सदस्यों द्वारा भगवान धन्वंतरि को अर्पित करते हुए औषधीय पौधों का पौधारोपण कार्यक्रम भी परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर समिति के डॉक्टर रजनीकांत वाणी, डॉक्टर सुनील वाणी, मोहन पाटीदार, राजू नितिन पुष्पेन्द्र वाणी वर्मा ,तरुण राठौड़, पुष्पेंद्र वाणी,निलेश जायसवाल ,पंडित उमाकांत रावल आदि सहयोगी साथियों का साथ रहा ।

कैबिनेट मंत्री , जिप अध्यक्ष ने कलेक्टर और एसपी के साथ किया कृषि मेले और किसान सम्मेलन का उद्घाटन ग्राम साकडी में हुआ

अलीराजपुर- ग्राम साकडी में कृषक मेले और किसान सम्मेलन का आयोजन आत्मा परियोजना कृषि विभाग कृषि विज्ञान केंद्र आदिम जाति ग्रामोदय कंपनी और डेवलपमेंट सपोर्ट सेंटर के संयुक्त समन्वय से किया गया द्य साथ ही आदिम जाति ग्रामोदय प्रोड्यूसर कंपनी की वार्षिक साधारण सभा का भी आयोजन हुआ द्य इस अवसर पर समग्र ग्रामीण विकास परियोजना एचडीएफसी परिवर्तन सीएसआर के सहयोग से निर्मित 40 टन क्षमता के भंडारण गृह का शुभारंभ मप्र सरकार के कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान अध्यक्ष जिला श्रीमती हजरी बाई खरत जयपाल खरत कलेक्टर डाँ अभय अरविंद बेडेकर जिला पँचायत सीईओ जिले के एसपी राजेश व्यास , एचडीएफसी के ब्रांच मैनेजर हर्ष चौहान जिला पंचायत सीईओ और खुमला

सस्तिया सरपंच ग्राम साकडी ने कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख वैज्ञानिक कृषि विभाग डीडीए आत्मा परियोजना प्रमुख और 1000 से अधिक किसानों की उपस्थिति में किया गया किया द्य आयोजन में कंपनी के शत प्रतिशत शेयर धारकों की उपस्थिति ने जहाँ उत्साह में वृद्धि की जिसमें डीएससी द्वारा क्रियान्वित एचडीएफसी समग्र परिवर्तन परियोजना मिरेकल मिलेट और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से जुडे 1160 किसानों ने वार्षिक सभा और कृषि मेले के कार्यक्रम में सहभागिता कर कार्यक्रम को भव्य स्वरूप प्रदान किया द्य इस अवसर पर डीएससी के जिला इंटीग्रेटर कमलेश रजत और आदिम जाति ग्रामोदय प्रोड्यूसर कंपनी के अध्यक्ष प्रदीप सोलंकी ने सदस्यों के साथ कंपनी का ब्यौरा प्रस्तुत किया द्य कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राकेश यादव ने किसानों को खेती के कम लागत और अधिक लाभ से जुड़े तरीके के बारे में बताया वही आत्मा परियोजना के प्रमुख अधिकारदादू सिंह मौर्य और कृषि विभाग डीडीए श्री चौहान ने भी इस अवसर पर किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी दी द्य 65 गाँवो के किसानों के लिएँ 16 प्रदर्शनियों का प्रदर्शन किया गया द्य कार्यक्रम अजीम प्रेमजी फाउंडेशन मिरेकल मिलेट परियोजना और आत्मा परियोजना की वित्तीय सहयोग से किया गया द्य अपने उद्बोधन में कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान ने कहा कि इस तरह के आयोजन किसानों को जहा नयी जानकारी प्रदान करते हैं वही यहां बनाए गए भंडारण के माध्यम से किसानों को अपने अनाज को भंडारण करने के लिए विशेष सुविधा मिलेगी उन्होंने अवसर पर किसानों से प्राकृतिक खेती करने और लुप्त होते अनाजों की खेती के साथ पशु पालन बढाने पर अपनी बात रखी वहीं जिले के कलेक्टर श्री बेडेकर और एसपी श्री व्यास ने किसानों की प्रदर्शनी की प्रशंसा करते हुए मोटे अनाज के बने व्यंजनों और आदिम जाति प्रोड्यूसर कंपनी के सदस्यों से विशेष रूप से चर्चा कर उत्साह वर्धन किया द्य कार्यक्रम में पहुँची जिला पंचायत के अध्यक्ष ने भी इस अवसर पर महिला किसानों से संवाद कर खेती को अधिक से अधिक उपयोगी बनाने पर बात की द्य कार्यक्रम में जयपाल खरात के साथ ग्राम साकडी के सरपंच और आदिम जाति प्रोड्यूसर कंपनी के सभी सदस्य भी उपस्थित थे द्य इस अवसर पर नानपुर क्षेत्र के ग्रामीण युवाओं ने एक नाटक की प्रस्तुति भी दी जिसमें कंपनी की उपयोगिता और कंपनी किस तरह से किसानों की आय का विस्तार कर रही है इस पर रोचक तरीके से अपनी बात पहुँचाई द्य उक?त जानकारी केवीके द्वारा दी गई ।

भाजपा मंडल उपाध्यक्ष ने अपना जन्मदिन दिव्यांग बच्चों के बीच जाकर मनाया

आलोट भारतीय जनता पार्टी मंडल उपाध्यक्ष महेश टाक ने अपना जन्मदिन आलोट नगर स्थित संचालित बरगढ़ महावीर युवक मंडल पर पहुंचकर भाजपा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अपना जन्मदिन मनाया मौजूद दिव्यांग बच्चों को जूते वितरित किए गए इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री कालू सिंह परिहार, भाजपा मंडल अध्यक्ष दिलीप सिंह डोडिया, मंडल उपाध्यक्ष मोहक मेहता, भाजपा कार्यकर्ता नरेंद्र सोनी, दादू सिंह बना, पुष्पराज सिंह सोलंकी, कमल गुप्ता, भैरू सिंह विक्रमगढ़, प्रकाश माली, आदि लोग मौजूद रहे।

जिम्मेदार मर्दानगी अभियान के तहत यौन हिंसा की रोकथाम ,लैंगिक संवेदनशीलता एवम सामाजिक सुरक्षा हेतु शिविर लगाया

अलीराजपुर- पुलिस मुख्यालय भोपाल ,के निर्देशानुसार सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत जिम्मेदार मर्दानगी अभियान के तहत यौन हिंसा की रोकथाम ,लैंगिक संवेदनशीलता एवम सामाजिक सुरक्षा हेतु पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास के निर्देशानुसार एवम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप पटेल के मार्गदर्शन में महिला सुरक्षा शाखा अलीराजपुर के पर्यवेक्षण में दिनाँक 25 /10 /24 को चौकी छकतला थाना सोंडवा पर जागरूकता कार्यक्रम जिम्मेदार मर्दनगी आयोजित किया गया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्य अतिथि कलेक्टर अलीराजपुर डॉ अभय अरविंद बेडेकर ने कहा कि महिलाओं का सम्मान,सहयोग करना चाहिए तथा शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर एबम सशक्त बन सके । कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास के कहा कि समाज मे महिलाओं को शिक्षा एवम सभी क्षेत्रों आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना चाहिए। सामाजिक मिथकों को तोड़ते हुये पुरूष को ज्यादा जिम्मेदार होकर महिलाओं को सम्मान,सहयोग देना चाहिए जिससे की महिलाएं सक्षम हो सके ।साथ ही घरेलू हिंसा,महिलाओं के प्रति अपराधों में कमी कैसी लाये,इस बारे में भी बताया । कार्यक्रम में टी.ओ.टी प्रशिक्षित महेंद्र सस्तिया जीवन ज्योति एन.जी.ओ प्रतिनिधि एवम बी.एल.अटोदे उप पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा शाखा ने भी सम्बोधित किया । कार्यक्रम में ग्राम रक्षा समिति सदस्य एवम करीब 300 लोग उपस्थिति रहे । कार्यक्रम में कदूसिंह के नेतृत्व में उनके नाट्य दल ने बालिका शिक्षा पर एवम नशे मुक्ति पर मनमोहन नाटक मंचन किया महिला थाना प्रभारी मनोरमा सिसोदिया एवम छितूसिंह किराड़े,ह्यद्ब,आरक्षक रामनारायण ,वाजिद ,वीरेंद्र उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन विक्रम भायडिया ने एवम आभार व्यक्त आशा बामनिया थाना प्रभारी ने किया । कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने में उप निरीक्षक अजय वास्कले चौकी प्रभारी छकतला एंव उनकी टीम की सराहनीय भूमिका रही ।

बागली कन्या हाई स्कूल में वेलनेस इन स्कूल थीम पर आयुर्वेद गतिविधियां हुई आयोजित

आयुष विभाग ने बागली कन्या हाई स्कूल में परीक्षा के तनाव से दूर रहने और एकाग्रचित्त होकर पढ़ाई करने के गुर सिखाएं

बागली - भारत सरकार के निर्देश अनुसार आज 25 अक्टूबर को आयुष विभाग द्वारा ''नवम आयुर्वेद दिवस'' पर ''वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार'' के अंतर्गत विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद गतिविधियां शासकीय कन्या हाई स्कूल बागली में आयोजित की गई। इस दौरान डॉ. नीरज गुप्ता ने बच्चों को परीक्षा के तनाव से दूर रहने और एकाग्रचित्त होकर पढ़ाई करने के गुर सिखाएं। विद्यार्थियों को बताया गया कि वे योग, दिनचर्या, संतुलित आयुष जीवन पद्धति और ऋतुचर्या के पालन से तनाव को दूर कर शांतचित्त रह सकते हैं। डॉ. पपीता मूवले ने आयुष चिकित्सा प्रणाली के बारे में जानकारी देते हुए आयुष पाठ्यक्रम में प्रवेश की विस्तृत जानकारी दी एवं बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं वितरित की गई।डॉक्टर गुप्ता ने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभवों को साझा कर विद्यार्थियों को आयुर्वेद एवं योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने पर जोर दिया। स्कूल में आयुर्वेद गतिविधियों में योग और आयुर्वेद थीम पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान द्वितीय स्थान और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं को पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस दौरान शासकीय कन्या हाई स्कूल,के प्राचार्य पंडित वासुदेव जोशी, एवं विद्यालय के समस्त स्टाफ कार्यक्रम में शिक्षिका एवं शिक्षक का पूर्ण सहयोग रहा इसके साथ ही आयोजन में ,रमेश पंचोली, बीएस, राजावत, सुनीता नरवरिया, पैरामेडिकल स्टाफ भी उपस्थित रहे।

थाना माधव नगर पुलिस ने किया वाहन चोरी का खुलासा

थाना क्षेत्रान्तर्गत पूर्व में हुई मोटर सायकल चोरी की घटना के आरोपियों को किया गिरफ्तार।

आरोपीगण से घटना में प्रयुक्त मोटरसायकल को किया जब्त।

गिरफ्तारशुदा आरोपियों में से दो आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में मारपीट,गाली-गलौच व छेड़छाड़ के कुल पाँच अपराध हैं पंजीबद्ध।

आरोपी रोहित के विरुद्ध पूर्व में संलिप्त अपराधों में जारी किया गया था गिरफ्तारी वारंट ।दिनांक 07.10.24 को फरियादी निवासी ग्राम जवासिया कुमार थाना नागझिरी उज्जैन ने अपनी हीरो की एचएफ डिलेक्स मोटर सायल क्र. स्क्क्र13स्नरू 3024 को रॉय बायस क्लाथ दुकान फ्रीगंज उज्जैन अज्ञात चोर द्वारा चोरी करने की रिपोर्ट की थी। रिपोर्ट पर से अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अप क्र.524/24 धारा 303(2) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई ।वरिष्ठ आधिकारियों के मार्गदर्शन में त्वरित कार्यवाही करते हुए अज्ञात आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी एवं चोरी गयी मोटर सायकल की बरामदगी करने हेतु विश्वसनीय मुखबिर व तकनीकी साक्ष्यों की मदद से घटना में चोरी गयी मोटर सायल स्क्क्र13स्नरू 3024 को जब्त किया गया व घटना आरोपी 1. सुनील पिता शिव उर्फ सब्जी मीणा उम्र 20 साल निवासी ग्राम धनपुर जिला बांसवाडा राजस्थान हाल मुकाम केसरबाग कालोनी पंवासा उज्जैन, 2. रोहित उर्फ विनोद पिता शिव उर्फ सब्जी मीणा उम्र 25 साल निवासी ग्राम धनपुर जिला बांसवाडा राजस्थान हाल मुकाम केसरबाग कालोनी पंवासा उज्जैन, 3. लखन उर्फ लाखन चौधरी पिता रामेश्वर चौधरी उम्र 31 साल निवासी ग्राम कुडाना तह. सावेरं इन्दौर हाल पता सुतार बाखल पंवासा उज्जैन को गिरफ्तार किया जाकर आरोपीगण को आज दिनांक को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

आरोपीगण के अपराध रिकार्ड- नोट - आरोपी रोहित उर्फ विनोद पिता शिव उर्फ सब्जी मीणा उम्र 25 साल निवासी ग्राम धनपुर जिला बांसवाडा राजस्थान हाल मुकाम केसरबाग कालोनी पंवासा उज्जैन के विरुद्ध पूर्व में भी थाना माधवनगर पर मारपीट, गाली-गलौच जैसे गंभीर अपराधों के कुल दो अपराध हैं पंजीबद्ध इन्ही अपराधों में माननीय न्यायालय द्वारा पृथक पृथक दो गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे जारी गिरफ़्तारी वारंट में भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपी लखन उर्फ लाखन पिता रामेश्वर उम्र 28 साल नि. पंवासा उज्जैन के विरुद्ध पूर्व में भी थाना माधवनगर पर मारपीट, गाली-गलौच, माहिला के साथ छेड़छाड़ जैसे गंभीर अपराधों के कुल तीन अपराध पंजीबद्ध हैं ।उक्त कार्य में थाना प्रभारी माधव नगर राकेश भारती, सउनि लक्ष्मीकांत गौतम , सउनि संतोष राव , आर सुभाष मावई ,गोपाल सोलंकी, संजय ?बिजापारी, देवराज, जीवन यादव की मुख्य भुमिका रही।

बाग पुलिस ने कपास के साथ बोये गाँजे के पौधो को किया जप्त

आरोपी के खेत से कुल 60 छोटे बड़े गाँजे के पौधे किमती 3,00000/- रुपये के किये जप्त

बाग - पुलिस अधीक्षक धार मनोज कुमार सिह के निर्देशन में कैलाश चौहान थाना प्रभारी बाग द्वारा कार्यवाही करते हुए दिनांक 23.10.2024 को दिन में चौकी प्रभारी उनि जगदीश चौहान को मूखबिर द्वारा सूचना मिली कि ग्राम कनेरी ईमलीपुरा में भीमसिह के माल वाले खेत पर अवैध रुप से कपास के साथ अवैध लाभ कमाने के लिये गाँजे के पौधे लगा रखे है अगर मौके पर जाकर कार्यवाही नही की गई तो वह गाँजे के पौधे को किसी बाहरी व्यक्ति को बेच देगा, सूचना पर थाना प्रभारी बाग निरीक्षक कैलाश चौहान द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए, पुलिस की टीम बनाकर मौके पर चौकी प्रभारी डेहरी उनि जगदीश चौहान को पहुँचे, जहाँ पर खेत में काम करते एक व्यक्ति पुलिस को देखकर दुरी व जंगल की झाडियों का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा, जानकारी लेते भागा गया व्यक्ति भीमसिह पिता प्रतापसिह भीलाला निवासी कनेरी का होना पाया, मूखबीर सूचना पर भीमसिह के खेत में सर्च करते तुवर व कपास के पौधो के साथ गाँजे के पौधे भी पाये गये, जिन्हे विधिवत छोटे बडे कुल 60 गाँजे पौधे वजनी करीब 34.66 किलो ग्राम किमती 3,00000/- रुपये के जप्त किये गये है। आरोपी खेत मालिक भीमसिह के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया है, फरार आरोपी भीमसिह को शिघ्र गिरफ्तार किया जायेगा।

उक्त कार्यवाही में निरीक्षक कैलाश चौहान थाना प्रभारी बाग के नेतृत्व में उनि जगदीश चौहान चौकी प्रभारी डेहरी, उनि दिलीप खाण्डे, सउनि उदयसिह भिन्डे, सउनि कमलेश राठौडि्या, सउनि दशरथ चौहान, प्र. आर. 10 मालसिह, प्र. आर. 840 सोहनसिह, प्र. आर. 797सोहनसिह, प्र. आर. 932 सखाराम, आर. 26 सोनू, आर. 1175 विकास का विशेष योगदान रहा है।

पूर्व पार्षद की हत्या में प्रयुक्त हथियार और वाहन को किया बरामद, 12 बोर बंदूक के मुख्य स्रोत का किया खुलासा।

बंदूक की दुकान सील कर, लाइसेंस रद्द करने की कार्यवाही जारी।

दिनांक 11.10. 2024 को नीलगंगा थानाक्षेत्र अंतर्गत वजीर पार्क कालोनी में पूर्व पार्षद गुड्डू उर्फ कलीम पिता वजीर खान (60 वर्ष) की हत्या की घटना को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सुबह लगभग 04ः30 से 05ः00 बजे के बीच सिर में गोली मारकर अंजाम दिया गया था। इस घटना की जानकारी मिलते ही थाना नीलगंगा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चंद घंटों में चार आरोपियों को हिरासत में लिया। अभी हाल में फरार आरोपी दानिश और सोहराब को मक्सी जिले के झोकर से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान यह जानकारी मिली कि अन्य अभियुक्तगण नासिर लाला, जफर उर्फ मोनू और अकरम खान भी हत्या के षड्यंत्र में शामिल थे और फरार आरोपियों को संश्रय देने में सहायक थे। अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी दानिश और सोहराब को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उन्हें घटना में प्रयुक्त 12 बोर की बंदूक के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस क्रम में पूर्व से जेल में बंद आरोपी मिंटू उर्फ आसिफ का भी पुलिस रिमांड लिया गया। पूछताछ के दौरान यह खुलासा हुआ कि आरोपी मिंटू ने उक्त 12 बोर बंदूक पूर्व ड्राइवर जावेद उर्फ भईया से एक लाख बीस हजार रुपये में खरीदी थी। जावेद द्वारा बताया गया कि उसने यह बंदूक जय भारत गन हाउस के मालिक के बेटे बुरहान से अवैध तरीके से नब्बे हजार रुपये में खरीदी थी। अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त के मामले में पुलिस ने बुरहान और जावेद को गिरफ्तार किया जाकर बंदूक की दुकान को सील किया गया एवं लाइसेंस रद्द की कार्यवाही की जा रही है, घटना में प्रयुक्त वाहन मोटर साइकिल को नागझिरी कब्रिस्तान में छिपा कर रखा गया था जिसको पुलिस टीम द्वारा जप्त कर लिया गया है। अब तक इस मामले में कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि एक अन्य आरोपी समीर अभी भी फरार है जिसकी तलाश अभियान स्तर पर जारी हैं। उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी नीलगंगा विवेक कानोड़िया, उप निरीक्षक यादवेन्द्र सिंह परिहार, उनि सुरेन्द्र सिंह गर्वाल, उनि मनोहर बड़ोदिया, प्रआर 1262 दिग्विजय सिंह, आरक्षक 1926 लोकेश और आरक्षक धर्मेन्द्र तात्या की मुख्य भूमिका रही।

पूर्ण युद्ध का खतरा बढ़ा !

इजराइल ने मिसाइल हमलों का लिया बदला, ईरान पर की जबरदस्त एयर स्ट्राइक

इण्टरनेश्नल डेस्क। इजराइल ने शनिवार सुबह ईरान पर हवाई हमले किए और कहा कि उसने ईरान द्वारा इस महीने की शुरुआत में इजराइल पर दागे गए बैलिस्टिक मिसाइलों के जवाब में उसके सैन्य स्थलों को निशाना बनाया। विस्फोटों की आवाज ईरान की राजधानी तेहरान में भी सुनी गईं लेकिन इस्लामी गणराज्य ने जोर देकर कहा कि इन हमलों से केवल सीमित क्षति हुई है। इन हमलों ने दोनों कट्टर शत्रुओं के बीच ऐसे समय में पूर्ण युद्ध का खतरा बढ़ा दिया है जब पश्चिम एशिया में ईरान समर्थित चरमपंथी समूह- गाजा में हमास और लेबनान में हिजबुल्ला- पहले से ही इजराइल के साथ युद्धरत हैं। यह पहली बार है जब इजराइल की सेना ने ईरान पर खुलेआम हमला किया। इसके अलावा, 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद से किसी शत्रु देश ने ईरान पर इस प्रकार पहली बार लगातार हमले किए हैं।

इजराइल के घंटों चले हमले तेहरान में सूर्योदय से कुछ देर पहले ही समाप्त हुए। इजराइल ने कहा कि उसने ईरान में मिसाइल निर्माण संयंत्रों और अन्य स्थलों को निशाना बनाकर हमले किए। उसने कहा कि ईरान में हमले करने के बाद उसके विमान ''सुरक्षित स्वदेश लौट आए हैं। इजराइली सेना ने कहा कि उसके विमानों ने ''उन मिसाइल निर्माण संयंत्रों पर हमला किया, जिनका इस्तेमाल उन मिसाइलों को बनाने के लिए किया जाता था जिन्हें ईरान ने पिछले साल इजराइल पर दागा था। सेना ने कहा, ''इन मिसाइल ने इजराइल के नागरिकों के लिए सीधा और तत्काल खतरा पैदा किया। उसने कहा कि उसने ''सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और उन अतिरिक्त ईरानी हवाई क्षमताओं पर भी हमला किया, जिनका उद्देश्य ईरान में इजराइल की हवाई संचालन स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करना था। इजराइल ने इन हमलों से हुए नुकसान का कोई शुरुआती आकलन मुहैया नहीं कराया। शुरुआत में माना जा रहा था कि ईरान के एक अक्टूबर के हमले के जवाब में इजराइल उसके परमाणु केंद्रों और तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बना सकता है, लेकिन अक्टूबर के मध्य में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने बताया कि उसे इजराइल ने आश्वासन दिया है कि वह ऐसे केंद्रों पर हमला नहीं करेगा। इजराइली सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो संदेश में शनिवार को कहा, ''ईरान का शासन और क्षेत्र में उसके समर्थक सात अक्टूबर से इजराइल पर लगातार हमले कर रहे हैं... जिनमें ईरानी धरती से किए गए सीधे हमले भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''दुनिया के हर अन्य संप्रभु देश की तरह इजराइल को भी जवाब देने का अधिकार है और यह उसका कर्तव्य है। इस बीच, अमेरिका ने कहा कि ईरान पर इजराइल के हमलों से हिसाब बराबर हो चुका है और अब दोनों शत्रु देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य हमले बंद होने चाहिए। अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी कि यदि उसने इजराइल पर जवाबी हमले किए तो उसे इसके ''अंजाम भुगतने पड़ेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस% के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनके प्रशासन को लगता है कि इजराइली (सैन्य) अभियान के उपरांत अब दोनों देशों के बीच सीधे सैन्य हमले ''बंद होने चाहिए और अन्य सहयोगी देश भी इससे सहमत हैं। 'व्हाइट हाउस% के नियमों के अनुसार नाम न उजागर करने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि इजराइली अभियान ''व्यापक, सटीक और लक्षित था। उन्होंने कहा कि अमेरिका की इस हमले में कोई संलिप्तता नहीं है। ईरान की सेना ने कहा कि इजराइल ने उसके इलाम, खुजस्तान और तेहरान प्रांतों में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए, जिनमें ''सीमित क्षति हुई। ईरान के सशस्त्र बलों का यह बयान सरकारी टेलीविजन चैनल पर पढ़ा गया, लेकिन इस दौरान हमलों में हुए नुकसान से जुड़ी कोई तस्वीर नहीं दिखाई गई। ईरान की सेना ने दावा किया कि उसकी हवाई सुरक्षा प्रणाली ने हमलों से होने वाले नुकसान को सीमित कर दिया, हालांकि उसने इस संबंध में कोई अतिरिक्त सबूत नहीं दिया।

मलेशिया में बस-ट्रक की टक्कर में एक जापानी पर्यटक की मौत, 12 घायल

इंटरनेशनल डेस्क. मलेशिया में जापानी पर्यटकों को लेकर जा रही एक बस ट्रक से टकरा गई, जिससे एक पर्यटक की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी जापान की एक प्रमुख ट्रैवल एजेंसी जेटीबी कॉर्प ने शुक्रवार को दी। यह हादसा बृहस्पतिवार को मध्य मलेशिया के पेरक प्रांत में हुआ, जब बस पेनांग से लोकप्रिय पर्यटन स्थल कैमरुन हाईलैंड की ओर जा रही थी, जो अपने चाय बागानों के लिए जाना जाता है। जेटीबी के अध्यक्ष और सीईओ ईजीरो यामाकिता ने टोक्यो में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि हादसे में एक 70 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मलेशिया के दमकल एवं बचाव विभाग ने कहा कि बस में जापान के तीन पुरुष और आठ महिलाएं शामिल थीं। सभी वरिष्ठ नागरिक थे। बस चालक और एक स्थानीय टूर गाइड भी बस में मौजूद थे। सभी 13 पीड़ितों को स्ट्रेचर पर बाहर निकाला गया और दुर्घटनास्थल पर प्रारंभिक उपचार के बाद अस्पताल ले जाया गया। यामाकिता ने कहा कि कुछ पीड़ित गंभीर रूप से घायल हुए हैं, लेकिन उनकी वास्तविक स्थिति अभी ज्ञात नहीं हो पाई है। दुर्घटना के कारण की जांच की जा रही है। दमकल विभाग द्वारा जारी तस्वीरों में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिख रहा है और खिड़की के शीशे टूटे हुए हैं। यामाकिता ने कहा- हम इस घटना के लिए गहरा खेद व्यक्त करते हैं और क्षमा मांगते हैं। वह स्थानीय अधिकारियों और मलेशिया में जापान के अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। उन्होंने यात्रियों और उनके परिवारों की मदद के लिए कुआलालंपुर और टोक्यो से अपने कर्मियों को भेजा है। बस एक स्थानीय टूर ऑपरेटर द्वारा किराए पर ली गई थी और यह जेटीबी के सुरक्षा मानकों के अनुसार थी।

दर्दनाक हादसा

दिवाली से पहले जलकर खाक हुआ घर... 4 लोगों की जिंदा जलकर मौत

नेशनल डेस्क. दिल्ली से सटे गुरुग्राम में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां एक मकान में लगी आग के कारण चार लोग जिंदा जलकर मर गए। सभी मृतक बिहार के निवासी थे और एक गारमेंट कंपनी में टेलर के रूप में काम करते थे। ये चारों किराए पर रह रहे थे, और उनकी जली हुई लाशें घटनास्थल से बरामद की गईं।

घटना का विवरण

यह अग्निकांड बीती रात सरस्वती एनक्लेव के जी ब्लॉक में हुआ। रात करीब 2 बजे स्थानीय निवासियों ने आग की भयंकर लपटें और लोगों की चीखें सुनीं। आग इतनी तेजी से फैली कि कोई भी अंदर नहीं जा सका। लेकिन पड़ोसियों ने पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की।

फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची और कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। जब फायर कर्मी अंदर पहुंचे, तो उन्होंने चार युवकों की लाशें बरामद कीं।

मृतकों की पहचान

मृतकों की पहचान नूर आलम, मुस्ताक, अमन और साहिल के रूप में हुई है। पुलिस ने उनकी कंपनी से संपर्क करके उनके परिवारों को इस हादसे की सूचना दी। प्रारंभिक जांच के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, लेकिन सही कारणों की पुष्टि के लिए फायर ब्रिगेड की जांच जारी है।

पड़ोसियों की जानकारी

पड़ोसियों के अनुसार, मृतकों में से एक व्यक्ति का परिवार भी यहीं रहता था, लेकिन दो दिन पहले उसकी पत्नी और बच्चे त्योहार के चलते बिहार चले गए थे। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, स्थानीय निवासियों ने चारों युवकों को बचाने की कोशिश की, लेकिन आग की विकराल लपटों के चलते कोई भी अंदर नहीं जा सका।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादियों का हमला, 10 सुरक्षा जवानों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क. पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों की एक चौकी पर हमला किया, जिसमें 10 जवानों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, यह हमला बृहस्पतिवार को डेरा इस्माइल खान जिले के दाराबान इलाके में हुआ। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हमले के बाद सुरक्षाबलों की एक टुकड़ी मौके पर पहुंची और हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए व्यापक अभियान शुरू किया गया। इस हमले में 10 जवानों ने अपनी जान गंवा दी। फिलहाल, किसी भी आतंकी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

इस क्षेत्र में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) सक्रिय है, जो सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए जाने जाते हैं। पाकिस्तान ने टीटीपी पर अफगानिस्तान स्थित ठिकानों से गतिविधियां चलाने का आरोप लगाया है। काबुल में 2021 में तालिबान की सरकार बनने के बाद से पाकिस्तान में आतंकवाद की घटनाएं बढ़ी हैं।

लेबनान में जंग की रिपोर्टिंग में लगे तीन पत्रकारों की इजराइली हवाई हमले में मौत

बेरूत: दक्षिण-पूर्वी लेबनान के एक गेस्टहाउस में शुक्रवार तड़के सो रहे तीन पत्रकारों की इजराइली हवाई हमले में मौत हो गई। यह एक वर्ष पहले सीमा पार से शुरू हुए युद्ध के बाद से मीडिया पर सबसे घातक हमलों में से एक है। यह उस क्षेत्र पर एक दुर्लभ हवाई हमला था, जो अब तक हवाई हमलों से बचा हुआ था और जिसका उपयोग मीडिया द्वारा युद्ध को कवर करने के लिए आधार के रूप में किया जाता रहा है। तड़के तीन बजे हुए हवाई हमले में यह स्थल मलबे में तब्दील हो गया। वहां पेड़ों के बीच बने लकड़ी के मकानों को युद्ध को कवर करने वाले विभिन्न मीडिया संगठनों द्वारा किराए पर लिया गया था।

वहां 'प्रेस लिखी हुई कारें पलट गईं और धूल और मलबे से ढक गईं।

लाइव प्रसारण के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कम से कम एक सैटेलाइट डिश पूरी तरह से नष्ट हो गई। इजराइली सेना ने हमले से पहले कोई चेतावनी जारी नहीं की। बाद में उसने कहा कि वह इसकी जांच कर रही है।

फिलीपींस में तूफान ट्रामी ने मचाई तबाही, 33 लोगों की हुई मौत

इण्टरनेश्नल डेस्क। फिलीपींस के मनीला के दक्षिण में स्थित बटांगस प्रांत में ऊष्णकटिबंधीय तूफान ट्रामी के कारण 33 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें से अधिकांश की मौत भूस्खलन के चलते हुई।

बटांगस के पुलिस प्रमुख कर्नल जैसिंटो मालिनाओ जूनियर ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि भूस्खलन और बाढ़ के कारण कुल मौतों की संख्या 65 हो गई है। ट्रामी तूफान शुक्रवार को उत्तर-पश्चिमी फिलीपींस में आया था। मालिनाओ ने बताया कि तालीसे शहर के झील किनारे स्थित क्षेत्र से 11 अन्य ग्रामीण लापता हैं।

इस दौरान एक ग्रामीण की पत्नी और बचा भी लापता हैं। बचावकर्मियों ने खोजबीन के दौरान सिर और पैर का एक हिस्सा बरामद किया है, जो संभवत: लापता महिला और बच्चे का है। मालिनाओ ने कहा कि मूसलाधार बारिश के कारण अपनी पत्नी और बच्चे को खोने वाला ग्रामीण पूरी तरह टूट गया है और वह सदमे में है।

चीन ने कहा- भारत से समझौते के बाद पूर्वी लद्दाख से 'सुचारू रूप से हो रही सैनिकों की वापसी

बीजिंग. चीन ने कहा है कि दोनों देशों के बीच हाल ही में हुए समझौते के बाद पूर्वी लद्दाख से चीनी और भारतीय सैनिकों की वापसी ''सुचारू रूप से हो रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 23 अक्टूबर को रूस के कजान में ब्रिक्स सम्मेलन से इतर अपनी द्विपक्षीय बातचीत में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास से सैनिकों के पीछे हटने और गश्त को लेकर हुए समझौते का अनुमोदन किया था। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने शुक्रवार को बीजिंग में पत्रकारों को बताया, ''सीमा क्षेत्र से संबंधित मुद्दों पर चीन और भारत के बीच हाल ही में हुए समझौते के तहत दोनों देशों की सेनाएं अपने-अपने जवानों की वापसी में जुटे हैं और यह प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। भारत ने टकराव वाले स्थानों से सैनिकों को वापस बुलाने को लेकर चीन से हुए समझौते की 21 अक्टूबर को घोषणा की थी और बीजिंग ने एक दिन बाद इसकी पुष्टि करते हुए कहा था कि दोनों ''पक्ष प्रासंगिक मामलों के समाधान तक पहुंच गए हैं और वह (बीजिंग) इन प्रस्तावों को लागू करने के लिए नयी दिल्ली के साथ मिलकर काम करेगा। भारतीय सेना के सूत्रों ने शुक्रवार को बताया, ''भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में डेमचोक और डेपसांग मैदानी क्षेत्रों में टकराव वाले दो बिंदुओं से सैनिकों की वापसी शुरू कर दी है और यह प्रक्रिया 28-29 अक्टूबर तक पूरी होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि समझौता केवल टकराव वाले इन दो बिंदुओं के लिए हुआ है तथा अन्य क्षेत्रों के लिए बातचीत अब भी चल रही है। सूत्रों ने कहा कि सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद टकराव वाले दोनों बिंदुओं पर गश्त शुरू होगी और दोनों पक्ष अपने-अपने सैनिकों को हटाकर अस्थायी ढांचों को नष्ट कर देंगे। उन्होंने कहा कि अंततः गश्त का स्तर अप्रैल 2020 से पहले के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। जून 2020 में गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच भीषण संघर्ष के बाद संबंधों में तनाव आ गया था। यह पिछले कुछ दशकों में दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569